Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 164 | मंगलवार, 23 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

बिजनेस कॉम्प्लेक्स में भीषण आग, 14 लोगों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक दुखद घटना में, एक कोचिंग सेंटर वाली इमारत में भीषण आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह कोचिंग इंस्टीट्यूट पूर्णिया इलाके में एक कमर्शियल बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर चल रहा था। जब घने धुएं और आग की लपटों ने इमारत के कुछ हिस्सों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, तो कई छात्रों को अपनी जान बचाने के लिए इमारत से कूदना पड़ा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे अभी लखनऊ में हुई एक घटना के बारे में जानकारी मिली है। वहां आग लगने की घटना में कुछ बच्चे फंस गए थे, जिससे उनकी दुखद मौत हो गई। प्रशासन राहत कार्यों में लगा हुआ है, लेकिन इस दुखद घटना के कारण मुझे तुरंत लखनऊ लौटना पड़ रहा है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिया है कि वे व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल का दौरा करें और इस मामले पर रिपोर्ट सौंपें। हम इस घटना की तह तक जाएंगे, दोषियों को सजा दिलाएंगे और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं अलीगढ़ का दौरा अलग से करूंगा। घटना स्थल पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी आँखों से 14 शव देखे हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि अभी कुल तेरह बच्चों को बाहर निकाला गया है। उन सभी को अस्पताल भेज दिया गया है। यह एक बड़ी घटना है। अंदर धुआं भरा है। हर चीज को हटाकर और चेक किया जा रहा है, और हर कमरे की तलाशी ली जा रही है; अंदर लकड़ी का बहुत सारा फर्नीचर था, और उस फर्नीचर से निकलने वाले धुएं के कारण कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा है।

लखनऊ में अग्निकांड घटनास्थल पर पहुंचे सीएम योगी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को तीन मंजिल की एक व्यावसायिक इमारत में लगी आग में झुलसकर कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य जख्मी हो गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और मामले की जांच के सख्त निर्देश दिये। इसके साथ ही आग की घटना में पीड़ित लोगों के परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वालों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना में घायल हुए लोगों को भी 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है और अधिकारियों को उनके उचित इलाज और पुनर्वास को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

चुप रहो, बेकार लोग: आखिर क्यों अपनी ही पार्टी के कार्यकताओं पर भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन पार्टी कार्यकताओं की आलोचना की, जिन्होंने पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के शपथ ग्रहण समारोह में कामकाज में बाधा डाली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में 'डीके-डीके' के नारों से साफ तौर पर नाराज होकर, वरिष्ठ नेता ने कार्यकताओं को फटकार लगाई। उन्होंने उन्हें बेकार लोग कहा और याद दिलाया कि यह कार्यक्रम पार्टी का था, न कि किसी एक नेता पर केंद्रित। खड़गे ने तेवर दिखाते हुए कहा कि चुप हो जाओ! बैठ जाओ। ऐसा लग रहा है जैसे पूरा देश तुम्हारे हाथ में आ गया हो। बेकार लोग! इस हंगामे के एक वीडियो में शिवकुमार भीड़ को शांत करने की कोशिश करते दिखे; मुख्यमंत्री खड़े हुए और उन्होंने लोगों से चुपचाप बैठने का इशारा किया। खड़गे ने आगे कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की बैठक है। यह किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें सभी लोग पार्टी को मजबूत और एकजुट करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। अगर एक व्यक्ति एक नाम चिल्लाता रहे और दूसरा कोई और नाम, तो क्या बाकी लोग यहाँ सिर्फ. कचरा साफ करने आए हैं? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने रविवार को एक अधिवेशन में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पार्टी का झंडा सौंपकर हरिप्रसाद को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी। शिवकुमार ने 2020 से अब तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कांग्रेस महासचिव (कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सिंह सुरजेवाला के अलावा कई मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। विधान परिषद सदस्य हरिप्रसाद (71) को तीन जून को केपीसीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें यह पद शिवकुमार के कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी पद से इस्तीफा देने के बाद मिला है। बिल्लव समुदाय से आने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हरिप्रसाद हाल ही में कर्नाटक विधान परिषद के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं।

बंगाल बजट में बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक! नया हवाई अड्डा, सुवेन्दु अधिकारी बोले- खोई संस्कृति लौटाएंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार के पहले बजट की सोमवार को सुवेंदु अधिकारी ने तारीफ की और इसे राज्य की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की कोशिश बताया। राज्य के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने राज्य में बीजेपी सरकार का पहला बजट पेश किया, जिसमें वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए कुल 4,38,775.29 करोड़ रुपये (नेट) का आवंटन किया गया। कोलकाता में बजट के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि नागरिकों को डर-मुक्त माहौल देना सरकार की प्राथमिकता रही है। अधिकारी ने कहा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए यह बजट राज्य विधानसभा में पेश किया गया। यह बजट पश्चिम बंगाल की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की एक कोशिश है। इस बजट में पश्चिम बंगाल की सुरक्षा, नागरिकों को डर-मुक्त माहौल देने और संस्कृति को पुनर्जीवित करने को प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा और कृषि को भी महत्व दिया गया है। राज्य में संविधान को मजबूत करने, सिंडिकेट और जबरन वसूली को रोकने तथा शिल्प और व्यापार के लिए माहौल बनाने पर जोर दिया गया है। इस बजट में किसी भी वर्ग को नजरअंदाज नहीं किया गया है। विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करते हुए राज्य सरकार ने कल्याणी के पास एक नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की भी घोषणा की। राज्य के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने कहा, 'कोलकाता एयरपोर्ट पर यात्रियों की भारी भीड़ है और इलाके की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता में एक दूसरे एयरपोर्ट की जरूरत है।

छिंदवाड़ा में भीषण सड़क हादसा: खड़ी पिकअप वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, एक महिला समेत 6 मजदूरों की मौत, 21 घायल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सोमवार को एक बेहद दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा हो गया। छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) पर सड़क किनारे मजदूरों से भरी खड़ी एक पिकअप वैन को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भयावह दुर्घटना में एक महिला सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 21 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर तेमनी गांव के पास छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दुर्घटना में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। क्षेत्रीय उप पुलिस अधीक्षक रामेश्वर चौबे ने बताया कि पिकअप वैन सड़क किनारे खड़ी थी और उसका चालक किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था, तभी एक ट्रक ने वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद कुछ समय तक राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाए जाने के बाद यातायात बहाल कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के दौरान ट्रक का पिछला बायां टायर फट गया, जिसके बाद वह एक मोटरसाइकिल से टकरा गया। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार उसकी चपेट में आ गया। इसके बाद ट्रक भी पलट गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने बताया कि घायलों में दो से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस बीच, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये तथा अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। रोजगार की तलाश में निकले निर्दोष मजदूरों के साथ हुआ यह हादसा सुरक्षा मानकों और राजमार्गों पर वाहनों की रफ्तार को लेकर फिर से गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय प्रशासन फिलहाल घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने में जुटा हुआ है।

एमवीए की सूपड़ा साफ, महायुति ने 16 सीटें जीतकर किया विपक्ष को चित्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधान परिषद (MLC) चुनावों में सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की और राज्य भर में हुई 17 सीटों के चुनाव में से 16 सीटें अपने नाम कीं। इन नतीजों से महाराष्ट्र की राजनीति पर BJP के नेतृत्व वाले गठबंधन की पकड़ और मजबूत हो गई है। वोटिंग से पहले ही महायुति के कई उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके थे, जिससे गठबंधन को काफी बढ़त मिल गई थी। बाकी सीटों पर भी गठबंधन का दबदबा कायम रहा और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) के हाथ सिर्फ. एक सीट लगी। महायुति को एकमात्र झटका नासिक में लगा, जहाँ भाजपा के बागी उम्मीदवार गोकुल गीते ने गठबंधन समर्थित शिवसेना उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को हरा दिया। इससे पता चलता है कि गठबंधन की कुल सफलता के बावजूद, अंदरूनी मतभेद की कुछ जगहें अभी भी मौजूद हैं। इस नतीजे को आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महायुति नेतृत्व के लिए एक बड़ी बढ़त के तौर पर देखा जा रहा है, जबकि विपक्ष के लिए अपनी संगठनात्मक ताकत और चुनावी रणनीति को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

उद्धव के छह सांसद शिवसेना में शामिल: एकनाथ शिंदे ने दिलाई पार्टी की सदस्यता, कहा- ऑपरेशन टाइगर अब पूरा और सफल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उद्धव गुट के छह सांसदों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टीकर ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मंच साझा किया। वहीं, इसके बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा- ऑपरेशन टाइगर अब पूरा और सफल हो गया।

इन सांसदों ने शिंदे गुट का थामा दामन

इस सूची में यवतमाल-वाशिम से संजय देशमुख, हिंगोली से नागेश पाटिल अष्टीकर, परभणी से संजय जाधव, शिरडी से भाऊसाहेब वाकचौरे, मुंबई उत्तर-पूर्व से संजय दिना पाटिल और धाराशिव से ओमप्रकाश राजे निंबालकर का नाम शामिल है। ये सभी सांसद हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद से ही उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई थीं। इससे पहले मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा था कि आज छह सांसद आधिकारिक तौर पर शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भी सौंप दिया है। सरनाईक ने इसे 'ऑपरेशन टाइगर' का हिस्सा बताया और कहा कि यह अभियान साल के 365 दिन चलता है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को मानने वाले सांसद अब शिंदे गुट के साथ आ रहे हैं।

क्या है 'ऑपरेशन टाइगर' और किसने किया दावा?

प्रताप सरनाईक ने कहा कि 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत लगातार शिवसैनिक और जनप्रतिनिधि शिंदे गुट में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम संजय राउत का धन्यवाद करते हैं, क्योंकि पहले विधायक हमारी पार्टी में आए और अब सांसद भी आ रहे हैं।' सरनाईक के इस बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) की ओर से इस दावे पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

यूबीटी और शिंदे गुट के नेताओं ने क्या कहा?

शिवसेना (यूबीटी) विधायक महेश सावंत ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जाने वाले गए।' वहीं, शिवसेना एमएलसी डॉ. मनीषा कायंदे ने कहा कि उन्हें अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि जो लोग आ रहे हैं, वे बागी नहीं बल्कि शिवसैनिक हैं और एकनाथ शिंदे ने उनका स्वागत किया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि सोमवार को कुछ अच्छी खबर मिल सकती है। महाराष्ट्र विधान परिषद की एमएलसी और डिप्टी चेयरपर्सन डॉ. नीलम गोरहे ने कहा कि, 'हम बहुत खुश हैं क्योंकि एकनाथ शिंदे बालासाहेब ठाकरे की विरासत का सम्मान करते हुए शिवसेना के काम को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। जब विधानसभा चुनाव हुए, तो हमारे 60 विधायक चुने गए। उनके चुने जाने के बाद भी, 'UBT' गुट के सदस्यों ने बार-बार उन्हें गद्दार कहा। अगर हमारे विधायक पहले ही चुने जा चुके थे, तो उन्हें गद्दार क्यों कहा गया?

संपादक की कलम से

सुरक्षा की जीत, गरिमा की हार? नीट-यूजी पुनर्परीक्षा का दोहरा चेहरा

ललित शर्मा
संपादक

नीट-यूजी 21 जून 2026 को पुनर्परीक्षा समाप्त हुई। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते लाखों विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत थी, लेकिन आंखों में एक अनकहा बोझ भी झलक रहा था। देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में शामिल इस परीक्षा को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में आयोजित किया गया। 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों, 95 हजार परीक्षा कक्षों, 1.38 लाख सीसीटीवी कैमरों, 51 हजार जैमरों, हजारों बायोमेट्रिक कर्मचारियों और कड़ी फ्रिस्किंग के बीच परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पेपर लीक की आशंकाएं लगभग समाप्त रहीं और परिणामों पर विश्वास बहाल होने की उम्मीद जगी। इसके लिए एनटीए और केंद्र सरकार बधाई के पात्र हैं। लेकिन इस सफलता के बीच एक सवाल खड़ा है—क्या निष्पक्षता की यह कीमत हमारी युवा पीढ़ी की गरिमा और मानसिक शांति से वसूली जानी चाहिए? पिछले वर्षों में बार-बार हुए पेपर लीक कांडों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंचाई थी। मई 2026 की घटना के बाद सरकार और एनटीए ने पूरे तंत्र को लगभग रीसेट कर दिया। प्रश्न-पत्र तैयार करने से लेकर उनके परिवहन तक अभूतपूर्व गोपनीयता बरती गई। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ स्थानों पर भारतीय वायुसेना की सहायता से प्रश्न-पत्र पहुंचाए गए, जीपीएस ट्रैकिंग, पुलिस एस्कॉर्ट और एआई आधारित निगरानी तंत्र सक्रिय किए गए। राष्ट्रीय, राज्य और मंत्रालय स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग हुई। हजारों पर्यवेक्षक, साइबर निगरानी दल और खुफिया एजेंसियों का त्रिस्तरीय सुरक्षा नेटवर्क परीक्षा की हर गतिविधि पर नजर रखे रहा। यह व्यवस्था किसी शैक्षणिक आयोजन से अधिक एक राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान जैसी प्रतीत होती थी। इन उपायों का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया। लाखों विद्यार्थियों को भरोसा मिला कि इस बार उनकी मेहनत संगठित नकल या पेपर लीक के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े माता-पिता को भी संतोष था कि उनके बच्चों का भविष्य किसी अपराधी गिरोह या भ्रष्ट नेटवर्क के हाथों बंधक नहीं बनेगा। लंबे समय से अपेक्षित विश्वास बहाली की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था। निष्पक्षता किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की आत्मा है और उसे बचाने के लिए कठोर कदमों का औचित्य स्वीकार किया जा सकता है। किंतु हर सफलता कुछ ऐसे प्रश्न भी छोड़ जाती है जिन्हें केवल आंकड़ों और प्रशंसाओं से ढंका नहीं जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न उस अनुभव का है जिससे विद्यार्थी गुजरे। आधार आधारित फेस रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट सत्यापन, जेबों, कानों, जूतों और यहां तक कि कपड़ों की चेन, जिप तथा धागों तक की जांच—यह सब उस युवा पीढ़ी के साथ हुआ जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची थी। 38,795 फ्रिस्किंग कर्मी और 48,448 बायोमेट्रिक कर्मचारी व्यवस्था की आवश्यकता रहे होंगे, लेकिन विद्यार्थियों के मन में यह अनुभव भी दर्ज हुआ कि उन पर पहले संदेह किया गया, बाद में विश्वास। कई अभ्यर्थियों ने स्वयं को अपराधियों की तरह टटोला जाता महसूस किया। यह भावना किसी परीक्षा की सफलता का हिस्सा नहीं होनी चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विशेषकर छात्राओं के लिए फ्रिस्किंग कई बार असहजता और तनाव का कारण बनी। यद्यपि महिला कर्मियों की नियुक्ति की गई थी, फिर भी मानसिक दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका।

सत्ता के खंजर से, प्रशासन के गलियारे में संविधान की हत्या

एन0के0शर्मा
लेखक

संविधान किसी राष्ट्र की केवल विधिक पुस्तक नहीं होता; वह उस सभ्यता की सामूहिक चेतना, उसके नैतिक विवेक और उसकी राजनीतिक आत्मा का जीवित दस्तावेज होता है। जब संविधान पर हमला होता है तो केवल कानून घायल नहीं होता, बल्कि नागरिक और राज्य के बीच स्थापित विश्वास का वह पुल भी दरकने लगता है जिस पर लोकतंत्र की पूरी इमारत खड़ी होती है। किंतु विडंबना यह है कि अनेक बार संविधान की हत्या किसी बाहरी शत्रु द्वारा नहीं, बल्कि उन्हीं प्रशासनिक गलियारों में होती दिखाई देती है जिन्हें उसकी रक्षा का दायित्व सौंपा गया है। यह हत्या हमेशा गोलियों की आवाज के साथ नहीं होती; कई बार यह फाइलों की खामोशी, सत्ता के इशारों, जवाबदेही के अभाव और न्यायिक प्रक्रिया की अवहेलना के बीच घटित होती है।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य यह है कि वह अपराधी को भी न्यायिक प्रक्रिया का अधिकार देता है। संविधान यह नहीं कहता कि केवल निर्दोष को न्याय मिलेगा; वह यह सुनिश्चित करता है कि दोषी घोषित होने से पहले हर व्यक्ति को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर मिले। यही वह रेखा है जो लोकतंत्र को भीड़तंत्र से अलग करती है। किंतु जब किसी प्रशासनिक व्यवस्था में यह मानसिकता जन्म लेने लगती है कि न्यायालय की प्रक्रिया लंबी है, कानून जटिल है और इसलिए गोली ही अंतिम समाधान है, तब संविधान के पन्नों पर लिखे अधिकार धीरे-धीरे अर्थहीन होने लगते हैं। फर्जी मुठभेड़ों का प्रश्न केवल कुछ व्यक्तियों की मृत्यु का प्रश्न नहीं है। यह उस राज्य की वैधता पर प्रश्नचिह्न है जो स्वयं कानून से ऊपर खड़ा होने का प्रयास करता है। यदि कोई व्यक्ति अपराधी है तो उसे सजा देने का अधिकार न्यायालय को है, न कि किसी पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक इकाई या राजनीतिक सत्ता को। जैसे ही राज्य यह अधिकार स्वयं अपने हाथ में लेने लगता है, वह कानून के शासन से शक्ति के शासन की ओर बढ़ने लगता है। यह वही बिंदु है जहाँ संविधान की आत्मा सबसे अधिक घायल होती है। सबसे भयावह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब ऐसी घटनाओं को जनभावनाओं की आड़ में महिमामंडित किया जाने लगता है। सत्ता के मंचों से कठोर कार्रवाई के नाम पर तालियाँ बजवाई जाती हैं, राजनीतिक लाभ के लिए कानून से ऊपर उठकर कार्य करने वालों को नायक बनाया जाता है और प्रशासनिक अतिक्रमण को सुशासन का प्रमाणपत्र घोषित कर दिया जाता है। जनता के एक हिस्से को यह विश्वास दिलाया जाता है कि न्यायालय, संविधान और मानवाधिकार विकास तथा सुरक्षा के शत्रु हैं। यह लोकतांत्रिक चेतना के विरुद्ध सबसे खतरनाक वैचारिक अभियान है।

सच्चाई यह है कि किसी भी शासन की वास्तविक परीक्षा अपराधियों को मारने में नहीं, बल्कि कानून के दायरे में रहकर अपराध को नियंत्रित करने में होती है। यदि पुलिस जांच, अभियोजन प्रणाली, न्यायिक प्रक्रिया और प्रशासनिक दक्षता विफल हो जाएं और उसके बाद गोली को उपलब्धि बताया जाए, तो यह सफलता नहीं बल्कि संस्थागत असफलता का सार्वजनिक उत्सव है। यह उस व्यवस्था का स्वीकारोक्ति-पत्र है जो साक्ष्य जुटाने, निष्पक्ष जांच करने और न्याय सुनिश्चित करने में स्वयं को अक्षम पा रही है। प्रशासनिक तंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि वह अनेक बार अपनी गलतियों को उपलब्धियों के चमकीले रंगों से ढंकने का प्रयास करता है। प्रेस विज्ञप्तियाँ, प्रचार अभियान, राजनीतिक भाषण और सरकारी आंकड़ों की सजावट उस बदसूरत वास्तविकता को छिपाने लगती हैं जिसमें कई निर्दोष लोग संदेह के आधार पर अपराधी घोषित कर दिए जाते हैं, कई मामलों में जांच के नाम पर उत्पीड़न होता है और कई बार सत्ता की असहमति को भी कानून-व्यवस्था का प्रश्न बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। यह रंग-रोगन अस्थायी हो सकता है, लेकिन इतिहास की वर्षा जब होती है तो वह हर कृत्रिम चमक को बहाकर ले जाती है।

प्रशासन की शक्ति संविधान से आती है, संविधान प्रशासन से नहीं। किंतु जब प्रशासन स्वयं को संविधान का स्वामी समझने लगता है, तब अधिकार कर्तव्य को निगल जाते हैं। तब जनता सेवक और शासक के बीच का अंतर धुंधला होने लगता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि उसकी संस्थाएं यदि आत्ममुग्ध हो जाएं तो वही संस्थाएं नागरिक स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकती हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सुशासन के दावों का मूल्यांकन प्रचार सामग्री से नहीं, बल्कि संवैधानिक मानकों से किया जाए। किसी राज्य की सफलता का मापदंड यह नहीं होना चाहिए कि कितने लोगों को मारा गया, बल्कि यह होना चाहिए कि कितनों को न्याय मिला। यह नहीं कि कितनी कठोरता दिखाई गई, बल्कि यह कि कितनी निष्पक्षता बरती गई। यह नहीं कि कितने भय का वातावरण निर्मित हुआ, बल्कि यह कि नागरिक कितना सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करता है। जब किसी समाज में भय को व्यवस्था का पर्याय बना दिया जाता है, तब नागरिक अधिकार धीरे-धीरे विशेषाधिकारों में बदलने लगते हैं। लोग न्याय नहीं, दया की अपेक्षा करने लगते हैं। वे अधिकारों की भाषा भूलकर कृपा की भाषा सीख लेते हैं। यही वह क्षण होता है जब संविधान जीवित रहते हुए भी मृतप्राय हो जाता है। उसकी धाराएँ पुस्तकालयों में सुरक्षित रहती हैं, परंतु उसकी आत्मा प्रशासनिक फाइलों और सत्ता के गलियारों में दम तोड़ने लगती है। लोकतंत्र की रक्षा केवल चुनावों से नहीं होती। उसकी रक्षा उन न्यायाधीशों से होती है जो दबाव के आगे नहीं झुकते, उन पत्रकारों से होती है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखते हैं, उन वकीलों से होती है जो अलोकप्रिय व्यक्ति के अधिकारों की भी रक्षा करते हैं, और उन नागरिकों से होती है जो यह समझते हैं कि कानून का शासन केवल उनके मित्रों के लिए नहीं, बल्कि उनके विरोधियों के लिए भी उतना ही आवश्यक है। यदि किसी समाज को केवल इस कारण फर्जी मुठभेड़ों पर आपत्ति नहीं है कि मृत व्यक्ति अपराधी माना जा रहा था, तो उसे यह भी समझना होगा कि कल वही तंत्र किसी निर्दोष को भी अपराधी घोषित कर सकता है। संविधान की हत्या हमेशा रक्तरंजित दृश्य नहीं होती; कई बार वह तालियों की गड़गड़ाहट के बीच होती है। कई बार वह राष्ट्रहित, सुरक्षा, विकास और सुशासन जैसे आकर्षक शब्दों की ओट में होती है। कई बार वह उन मंचों पर होती है जहाँ लोकतंत्र की शपथ ली जाती है। और सबसे दुखद यह है कि उसकी लाश को अक्सर उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किसी भी सभ्य राष्ट्र का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि वह कानून को सत्ता का उपकरण बनाता है या सत्ता को कानून के अधीन रखता है। यदि प्रशासनिक गलियारों में संविधान की आवाज दबा दी जाएगी, यदि न्यायिक प्रक्रिया को बोझ और मानवाधिकारों को बाधा समझा जाएगा, यदि फर्जी मुठभेड़ों को शासन की सफलता का प्रतीक बनाया जाएगा, तो इतिहास इसे सुशासन नहीं, बल्कि संवैधानिक पतन का युग लिखेगा। तब चमकते हुए सरकारी नारों के पीछे एक ऐसा अंधकार खड़ा होगा जिसमें लोकतंत्र का चेहरा तो दिखाई देगा, लेकिन उसकी आत्मा कहीं खो चुकी होगी। यही वह खतरा है जिसे पहचानना, उस पर प्रश्न उठाना और उसे रोकना किसी भी जागरूक समाज का प्रथम कर्तव्य है, क्योंकि संविधान की रक्षा केवल न्यायालयों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है।

विनम्रता बनाम दादागिरी: व्यक्तित्व, नेतृत्व और सफलता की असली कसौटी

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज का युग प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और प्रभाव का युग माना जाता है। सोशल मीडिया से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सामाजिक जीवन तक हर जगह स्वयं को श्रेष्ठसिद्ध करने की होड़ दिखाई देती है। ऐसे वातावरण में अनेक लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि कठोरता, दबंगई, दादागिरी और दूसरों पर अपना प्रभाव थोपना ही सफलता का मार्ग है। कुछ समय के लिए यह तरीका प्रभावशाली दिखाई दे सकता है, लेकिन इतिहास, समाज और मानव मनोविज्ञान का गहन अध्ययन बताता है कि स्थायी सफलता, सम्मान और नेतृत्व का आधार दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता होती है। विनम्रता वह शक्ति है जो लोगों को जोड़ती है, जबकि दादागिरी वह प्रवृत्ति है जो लोगों को दूर करती है।

विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं। विनम्रता में सम्मान,सहिष्णुता, संवाद,संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय,दबाव,असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों केबावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है।यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है, जबकि दादागिरी करने वाले लोग केवल अस्थायी भय पैदा कर पाते हैं। साथियों, भारतीय संस्कृति सदैव विनम्रता को मानव का सर्वोत्तम आभूषण मानती रही है। हमारे शास्त्रों, संतों और महापुरुषों ने बार-बार यह संदेश दिया है कि ज्ञान, शक्ति और पद तभी सार्थक हैं जब उनके साथ विनम्रता जुड़ी हो। जिस प्रकार फल से लदा हुआ वृक्ष झुक जाता है, उसी प्रकार गुणों और उपलब्धियों से सम्पन्न व्यक्ति भी स्वभाव से विनम्र हो जाता है। इसके विपरीत, खोखला वृक्ष सीधा खड़ा रहता है। यह प्रकृति का सरल संदेश है कि वास्तविक महानता प्रदर्शन नहीं करती, बल्कि अपने व्यवहार से पहचानी जाती है। साथियों आज के आधुनिक जीवन में दादागिरी अनेक रूपों में दिखाई देती है।

कभी यह पद के अहंकार के रूप में सामने आती है, कभी धन के घमंड के रूप में, कभी ज्ञान के अभिमान के रूप में और कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रदर्शन के रूप में। कुछ लोग अपने अधिकारों का उपयोग सेवा के लिए नहीं बल्कि दूसरों को नीचा दिखाने के लिए करते हैं। वे मानते हैं कि कठोर व्यवहार से वे अधिक प्रभावशाली दिखाई देंगे लेकिन वास्तविकता यह है कि भय से प्राप्त सम्मान कभी स्थायी नहीं होता। जैसे ही शक्ति समाप्त होती है, वैसा सम्मान भी समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत विनम्रता से अर्जित सम्मान जीवन भर लोगों के हृदय में बना रहता है। साथियों, मानव मनोविज्ञान भी यही बताता है कि लोग उन व्यक्तियों के साथ अधिक सहज महसूस करते हैं जो विनम्र होते हैं। विनम्र व्यक्ति दूसरों की बात सुनता है, उनकी भावनाओं को समझता है और संवाद के लिए स्थान देता है। दूसरी ओर दादागीर व्यक्ति केवल अपनी बात मनवाना चाहता है। परिणामस्वरूप उसके आसपास भय और असंतोष का वातावरण बन जाता है। ऐसे व्यक्ति के साथ लोग मजबूरी में रहते हैं, खुशी से नहीं। वहीं विनम्र व्यक्ति के साथ लोग स्वेच्छा से जुड़ते हैं और उसे अपनासटीक मार्गदर्शक मानते हैं। साथियों कॉर्पोरेट जगत में भी आज नेतृत्व की परिभाषा बदल रही है।

पहले कठोर और आदेशात्मक नेतृत्व को प्रभावी माना जाता था, लेकिन अब शोध बताते हैं कि विनम्र नेता अधिक सफल होते हैं। वे अपनी टीम को प्रेरित करते हैं, सहयोग को बढ़ावा देते हैं और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। दादागिरी करने वाला प्रबंधक कर्मचारियों से काम तो करा सकता है, लेकिन उनकी निष्ठा और रचनात्मकता प्राप्त नहीं कर सकता। जबकि विनम्र नेतृत्व कर्मचारियों को संगठन का भागीदार बना देता है। साथियों, परिवार और रिश्तों में भी यही सिद्धांत लागू होता है। दादागिरी से परिवार चलाया जा सकता है, लेकिन खुशहाल परिवार नहीं बनाया जा सकता। रिश्तों में प्रेम, सम्मान और विश्वास की आवश्यकता होती है। यदि परिवार का कोई सदस्य केवल अपनी बात मनवाने का प्रयास करता है, तो धीरे-धीरे संबंधों में दूरी बढ़ने लगती है। इसके विपरीत विनम्र व्यवहार रिश्तों में मधुरता लाता है। एक मधुर शब्द कई बार वह काम कर देता है जो कठोर आदेश नहीं कर सकते। साथियों, समाज में भी विनम्रता का प्रभाव अत्यंत व्यापक होता है। विनम्र व्यक्ति विवादों को बढ़ाने के बजाय उन्हें सुलझाने का प्रयास करता है। वह समाज में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। वहीं दादागिरी समाज में विभाजन, तनाव और संघर्ष को जन्म देती है।

इतिहास में अनेक साम्राज्य अहंकार के कारण नष्ट हुए हैं, जबकि विनम्र नेतृत्व ने समाजों को प्रगति और स्थिरता प्रदान की है। साथियों, भारतीय प्रवासी समुदाय इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। दुनिया के विभिन्न देशों में बसे भारतीयों को उनकी मेहनत, योग्यता और विनम्रता के कारण विशेष सम्मान प्राप्त होता है। चाहे वे वैज्ञानिक हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, उद्यमी हों या साधारण कर्मचारी, उनकी कार्यशैली और व्यवहार उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। यह सम्मान केवल तकनीकी दक्षता के कारण नहीं, बल्कि विनम्रता और सहयोग की भावना के कारण भी प्राप्त होता है।विनम्रता को कभी भी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। वास्तव में विनम्र होना अत्यंत साहस का कार्य है। अहंकार दिखाना आसान है, लेकिन उपलब्धियों के बावजूद विनम्र बने रहना कठिन है। दादागिरी क्षणिक शक्ति का प्रदर्शन है, जबकि विनम्रता आत्मबल का प्रमाण है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है। क्रोध, अहंकार और कटुता पर विजय प्राप्त करना किसी भी बाहरी विजय से अधिक महत्वपूर्ण है। साथियों, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी विनम्रता अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। संकट के समय दादागिरी करने वाला व्यक्ति अकेला पड़ जाता है, क्योंकि उसके आसपास केवल भय के कारण जुड़े लोग होते हैं। वहीं विनम्र व्यक्ति को समाज, मित्रों और परिवार का सहयोग प्राप्त होता है। उसका व्यवहार ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वह अधिक मजबूत होकर उभरता है। विनम्रता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष सीखने की क्षमता है। विनम्र व्यक्ति स्वीकार करता है कि उसे सब कुछ नहीं पता। इसलिए वह निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। इसके विपरीत दादागीर व्यक्ति स्वयं को सर्वज्ञ मान लेता है और सीखने की प्रक्रिया को रोक देता है। परिणामस्वरूप उसका विकास सीमित हो जाता है। ज्ञान का वास्तविक द्वार तभी खुलता है जब मन में विनम्रता हो। साथियों,प्रकृति भी हमें विनम्रता का पाठ पढ़ाती है। नदी जितनी गहरी होती है, उतनी ही शांत दिखाई देती है। विशाल वृक्ष जितना फलदार होता है, उतना ही झुकता है। इसी प्रकार जीवन में जो व्यक्ति जितना अधिक विकसित होता है, उसके व्यवहार में उतनी ही अधिक विनम्रता दिखाई देती है। यही कारण है कि महान वैज्ञानिक, संत, समाजसेवी और नेता अपनी उपलब्धियों के बावजूद सटीकता से सरल और सहज बने रहते हैं। साथियों, एक प्रसिद्ध कहावत है कि 'जीवन में कुछ बनने के लिए विनम्र होना जरूरी है, क्योंकि बीज को भी पेड़ बनने के लिए मिट्टी के नीचे दबना पड़ता है।' यह कथन जीवन का गहरा सत्य प्रस्तुत करता है। बीज यदि मिट्टी में दबने से इंकार कर दे तो वह कभी वृक्ष नहीं बन सकता। उसी प्रकार मनुष्य यदि अपने अहंकार को त्यागने के लिए तैयार नहीं है, तो वह अपनी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुँच सकता। विनम्रता विकास की पहली शर्त है।आज जब समाज में दिखावा, प्रतिस्पर्धा और अहंकार बढ़ रहा है, तब विनम्रता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। आने वाली पीढ़ियों को यह समझाना आवश्यक है कि वास्तविक सफलता केवल पद, पैसा और प्रसिद्धि नहीं है। वास्तविक सफलता वह है जिसमें व्यक्ति अपनी उपलब्धियों के साथ- साथ अपने मानवीय गुणों को भी सुरक्षित रखे। यदि उपलब्धियाँ बढ़ती जाएँ और विनम्रता घटती जाए, तो वह सफलता अधूरी है। अतः अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि दादागिरी लोगों को झुका सकती है, लेकिन दिल नहीं जीत सकती। विनम्रता लोगों के दिलों में स्थान बनाती है और स्थायी सम्मान दिलाती है। दादागिरी भय पैदा करती है, विनम्रता विश्वास पैदा करती है। दादागिरी संघर्ष बढ़ाती है, विनम्रता समाधान खोजती है। दादागिरी अस्थायी प्रभाव देती है, जबकि विनम्रता स्थायी विरासत छोड़ती है। इसलिए यदि जीवन में सम्मान,सफलता, सुख,शांति और सार्थक रिश्ते चाहिए, तो दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता को अपनाना होगा। यही मानव जीवन का बहुमूल्य श्रृंगार, श्रेष्ठ गुण और सफलता का सबसे प्रभावशाली अस्त्र है। 'विनम्रता वह शक्ति है जो बिना शोर किए दुनिया जीत लेती है, जबकि दादागिरी वह कमजोरी है जो शोर तो बहुत करती है, पर अंततः स्वयं ही हार जाती है।

मेरी जीवन है अधुरी

उदय किशोर साह

कविता

तुम बिन मेरी। ये जीवन है अधुरी
गर तेरी साथ हो तो अरमान हो पुरी
मेरे नाम की करना तूँ सोलह श्रृंगार
तुम्हें समझाने आई हे ये हरसिंगार

मेरे दिल की धड़कन धड़के संग तेरे
ऑख में बसती है सूरत तेरी मेरे
जिगर पे हाथ रख कर करना इजहार
हां तुमको हमसे है जनमों से प्यार

चमन की कलियां देखो गीत गुनगुनाती
तेरे संग हमें भी चलना वो सिखलाती
ओ मेरे मन की मासुम फूल गुलनार
पतझड़ की जीवन में आ जाये तेरी बहार

रब ने हम दोनों को बनाया है। हमराही
ये पत्थर ये पहाड़ है इसकी गावाही
फिर चाहे कुछ भी कह ले ये संसार
तुमसे है हमारी ये जीवन सदा गुलजार

देखने वाले जलता है जलने दो साई
जालिम जमाना कातिल है गुसाई
जब हमसे किया है तुँ प्रेम का इजहार
झुक जायेगी जग की बाधक तलवार

दल-बदल विरोधी कानून : स्थिरता की गारंटी या लोकतांत्रिक विवेक पर अंकुश?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारतीय लोकतंत्र की सफलता का आधार केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के प्रति निष्ठा भी है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दल-बदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची के अंतर्गत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को राजनीतिक दलों के प्रति अनुशासित बनाए रखना तथा सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था।

हालाँकि समय के साथ यह कानून स्वयं बहस का विषय बन गया है। एक पक्ष इसे राजनीतिक भ्रष्टाचार और अवसरवाद के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा कवच मानता है, जबकि दूसरा पक्ष तर्क देता है कि यह सांसदों और विधायकों की स्वतंत्र सोच तथा अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करता है। इस प्रकार दल-बदल विरोधी कानून भारतीय लोकतंत्र में स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की जटिल बहस को जन्म देता है। दल-बदल की समस्या स्वतंत्रता के बाद के दशकों में तेजी से बढ़ी। 1967 के आम चुनावों के बाद अनेक राज्यों में विधायकों ने बड़े पैमाने पर दल बदले। उस समय 'आया राम, गया राम' शब्दावली भारतीय राजनीति का प्रतीक बन गई। हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार दल बदलने की घटना ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर किया। इसके परिणामस्वरूप सरकारें अस्थिर हुईं, राजनीतिक नैतिकता कमजोर हुई और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होने लगा। इसी पृष्ठभूमि में दल-बदल को नियंत्रित करने की आवश्यकता महसूस हुई। दसवीं अनुसूची के अनुसार यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करता है अथवा मतदान से अनुपस्थित रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है। स्वतंत्र सदस्य किसी दल में शामिल नहीं हो सकता और मनोनीत सदस्य भी निर्धारित अवधि के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अयोग्यता का निर्णय सदन के अध्यक्ष या सभापति द्वारा लिया जाता है। इस कानून के समर्थकों का तर्क है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सबसे पहले, इसने सरकारों की स्थिरता को मजबूत किया है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए बार-बार दल बदलते रहें, तो सरकारें निरंतर संकट में रहेंगी और प्रशासनिक निर्णय प्रभावित होंगे। दल-बदल विरोधी कानून ने इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लगाया है। दूसरे, यह कानून राजनीतिक भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास करता है। अक्सर दल-बदल मंत्री पद, धन अथवा अन्य लाभों के लिए किया जाता है। ऐसे अवसरवादी व्यवहार से लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुँचती है। कानून का भय कम से कम खुले तौर पर होने वाले राजनीतिक सौदों को सीमित करता है। तीसरे, यह जनादेश की रक्षा करता है। मतदाता प्रायः किसी उम्मीदवार को उसके दल, विचारधारा और चुनावी घोषणापत्र के आधार पर चुनते हैं। यदि निर्वाचित सदस्य बाद में दल बदल लेता है, तो वह मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाता है। इसलिए दल-बदल विरोधी कानून मतदाताओं की अपेक्षाओं की रक्षा का माध्यम माना जाता है। चौथे, यह राजनीतिक दलों के भीतर अनुशासन बनाए रखने में सहायक है। संसदीय शासन प्रणाली में सरकार की स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि दल के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट रहें। यदि प्रत्येक सदस्य अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार मतदान करे, तो सरकार का संचालन कठिन हो सकता है। इन सकारात्मक पक्षों के बावजूद दल-बदल विरोधी कानून की आलोचना भी व्यापक रूप से होती रही है। सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सीमित करता है। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सांसद और विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं, केवल राजनीतिक दलों के एजेंट नहीं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे किसी विधेयक या नीति पर अपने विवेक, अनुभव और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें। किंतु व्हिप की बाध्यता के कारण उन्हें दल के निर्देशों का पालन करना पड़ता है, चाहे उनकी व्यक्तिगत राय कुछ भी हो।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर भाकियू (अराजनैतिक) ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में किसानों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। किसानों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

ज्ञापन में किसानों ने कहा कि प्रदेश का किसान खेती की बढ़ती लागत, नकली कृषि सामग्री, उर्वरकों की कमी, प्रशासनिक जटिलताओं तथा सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर न मिलने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। किसानों ने अंश निर्धारण (विरासत एवं बंटवारा) के लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण कराने, फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने तथा सभी पात्र किसानों की फार्मर आईडी जल्द जारी करने की मांग की।

किसानों ने डीएपी, यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी और ओवररेटिंग पर रोक लगाने तथा नकली बीज, नकली कीटनाशक एवं मिलावटी उर्वरकों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई।

साथ ही खराब और फेल बीजों से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने तथा बीज वितरण व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की। ज्ञापन में सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद की गारंटी, फसल बीमा योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने, प्राकृतिक आपदाओं से हुई फसल क्षति का शीघ्र मुआवजा दिलाने तथा आवारा एवं निराश्रित पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही।

इसके अतिरिक्त किसानों ने नहरों, रजवाहों एवं सरकारी नलकूपों के माध्यम से पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराने, कृषि विद्युत आपूर्ति को नियमित करने, गन्ना किसानों का बकाया भुगतान ब्याज सहित कराने तथा कृषि योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव एवं भ्रष्टाचार के उपलब्ध कराने की मांग की। किसानों ने तहसील एवं जिला स्तर पर विशेष किसान समाधान शिविर आयोजित करने, भूमि संबंधी विवाद, नामांतरण, खतौनी संशोधन एवं पैमाइश जैसे मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा कृषि विभाग, सहकारिता विभाग एवं बीज भंडारों की कार्यप्रणाली की स्वतंत्र जांच कराने की मांग भी रखी।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM-YUVA) योजना की जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि CM-YUVA योजना का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार हेतु 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराकर उद्यमी बनाना है। योजना में 10% मार्जिन मनी अनुदान एवं 4 वर्ष तक ब्याज सब्सिडी का प्रावधान है। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति सुनिश्चित करें। अब तक प्राप्त आवेदन, स्वीकृत, वितरित की समीक्षा की गई। लंबित आवेदनों का निस्तारण 7 दिन में करने को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित LDM एवं सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। बिना वैध कारण के आवेदन निरस्त करने पर कार्रवाई होगी।

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ने आमिर खान को बरेली का जिला उपाध्यक्ष किया नियुक्त

राजेंद्र सिंह

बरेली(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी ने संगठन विस्तार अभियान के तहत आमिर खान को बरेली का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। आमिर खान निवासी 72 रहपुरा चौधरी, रोड नंबर-1, इज्जतनगर, बरेली हैं। उनकी नियुक्ति प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद द्वारा की गई।पार्टी नेतृत्व ने आमिर खान की संगठन के प्रति निष्ठा, सक्रिय कार्यशैली और समाज सेवा में योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में सक्रिय और समर्पित कार्यकताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।उन्होंने विश्वास जताया कि आमिर खान अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के

साथ करेंगे तथा बरेली जिले में संगठन के विस्तार और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष आमिर खान ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी मेहनत और लगन के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करना, आम जनता की समस्याओं को उठाना और पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। आमिर खान की नियुक्ति पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास जताया कि उनकी सक्रियता से बरेली जिले में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

महिलाओं के सामने अश्लील डांस करने वाला युवक गिरफ्तार, बाबूगढ़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिलाओं को देखकर सार्वजनिक स्थान पर अश्लील डांस करने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं के सामने अशोभनीय एवं अश्लील हरकतें कर रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त था। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना बाबूगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान से खिलवाड़ करने वाले तथा सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) में अभय चौहान बने मेरठ मंडल उपाध्यक्ष

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित के नेतृत्व में राष्ट्रीय कार्यालय पर संगठन विस्तार एवं मजबूती को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान संगठन हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अभय चौहान को मेरठ मंडल उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास जताया कि वह संगठन की नीतियों के अनुरूप किसान, मजदूर एवं आम जनमानस के हितों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए लगातार योग्य एवं सक्रिय कार्यकताओं

को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। अभय चौहान की नियुक्ति से मेरठ मंडल में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी तथा किसानों की आवाज को और प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। नवनियुक्त मेरठ मंडल उपाध्यक्ष अभय चौहान ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने संगठन के विस्तार, किसानों के अधिकारों और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, किसानों की समस्याओं के समाधान तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने दिखाई तत्परता

राजेंद्र सिंह

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को सक्रिय किया गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समाजसेवी श्रवण शर्मा के भतीजे की सगाई में शामिल हुए प्रदेशाध्यक्ष पं. गोपाल शर्मा, नवयुगल को दिया आशीर्वाद

राजेंद्र सिंह

हापुड़/धौलाना(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा धौलाना विधानसभा क्षेत्र स्थित सुनीता फार्म हाउस में आयोजित समाजसेवी एवं सपा नेता पंडित श्रवण शर्मा के भतीजे के सगाई समारोह में शामिल हुए।

समारोह में पहुंचने पर पंडित श्रवण शर्मा एवं उनके सहयोगियों ने प्रदेशाध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर पंडित गोपाल शर्मा ने वर-वधू पक्ष को शुभकामनाएं देते हुए नवयुगल के उज्ज्वल, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं तथा सामाजिक एकता को नई दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने उपस्थित लोगों से मुलाकात कर सामाजिक विषयों पर चर्चा भी की। सगाई समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। इसके उपरांत पंडित गोपाल शर्मा हापुड़ के आनंद विहार स्थित अमित शर्मा के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल हुए, जहां उन्होंने परिवार को नए गृह में प्रवेश की शुभकामनाएं देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर मेरठ मंडल अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) आबिद सैफी, अनिल शर्मा, अजय शर्मा, शरद शर्मा, भोला शंकर शर्मा, शिवम शर्मा, विक्की शर्मा, दीपक शर्मा, लक्ष्य शर्मा, तरंग शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सिंह एवं पुष्पेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई, यूपीआई ठगी के शिकार पीड़ित के 5,800 रुपये वापस

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना बाबूगढ़ की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी के शिकार हुए एक पीड़ित के 5,800 रुपये (शत-प्रतिशत) वापस कराए।पीड़ित द्वारा साइबर ठगी की शिकायत मिलने पर साइबर सेल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित माध्यमों से समन्वय स्थापित किया और ठगी गई पूरी धनराशि वापस कराने में सफलता प्राप्त की। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को राहत मिली और उसने पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा शहर: महापौर

किशनपुरा में 11 लाख से बनेगी सड़क, महापौर ने किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज वार्ड नंबर 23, किशनपुरा में पूजा अर्चना के बाद सड़क पर गेंती चलाकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नगर निगम की निधि से निर्मित होने वाली सड़क पर लगभग 11 लाख रुपये की लागत आयेगी।

वार्ड 23 के किशनपुरा की सड़क ठीक कराने की मांग क्षेत्र के लोग काफी समय से कर रहे थे। महापौर डॉ. अजय कुमार के किशनपुरा पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर तथा सड़क पर गेंती चलाकर महापौर ने सड़क निर्माण

कार्य का शुभारंभ किया।

महापौर ने क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शहर लगातार प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर निगम जनहित एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

निगम द्वारा शहर में सड़क, नाला-नाली निर्माण, शुद्ध पेयजल के लिए पम्प स्थापना आदि कार्य लगातार किये जा रहे है और यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ होने पर नगर निगम और महापौर डॉ. अजय कुमार का आभार व्यक्त किया।

नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा और वार्ड के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

इस दौरान उपसभापति मयंक गर्ग, क्षेत्रीय पार्षद मुकेश गक्खड़, पार्षद ज्योति अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष हनी वर्मा व महानगर कोषाध्यक्ष मानवेंद्र भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गंदे पानी की निकासी न होने से बाग के पेड़ हो रहे नष्ट, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। तहसील नकुड़ क्षेत्र के कस्बा अम्बेहटा पीर निवासी अनीस, जमील, नसीमा सहित अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बस्ती के गंदे पानी की उचित निकासी कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि अम्बेहटा पीर की बस्ती का गंदा पानी निकासी व्यवस्था के अभाव में उनके खेतों और बाग में भर रहा है, जिससे भारी नुकसान हो रहा है।

शिकायतकताओं के अनुसार इलमचंद मार्ग स्थित उनके बाग के पास दो तालाब मौजूद हैं, जो वर्षों से जर्जर और अनुपयोगी पड़े हैं। बस्ती का गंदा पानी सीधे उनके बाग और खेतों में पहुंच रहा है, जिससे फसलें नष्ट हो रही हैं तथा कई पेड़

गिर चुके हैं। लगातार जलभराव के कारण अनेक पेड़ सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पानी की निकासी के लिए बनी पुलिया और रास्ते भी अवरुद्ध कर दिए गए हैं, जिसके कारण गंदा पानी जमा होकर खेतों और बागों में फैल रहा है। उनका कहना है कि इस समस्या को लेकर उन्होंने पूर्व में अधिशासी अधिकारी अम्बेहटा, उपजिलाधिकारी नकुड़ तथा सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी शिकायतें दर्ज कराई थीं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि बस्ती के गंदे पानी की निकासी के लिए तत्काल नाला अथवा अन्य उचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि खेतों, बागों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान को रोका जा सके। साथ ही जल निकासी मार्गों पर किए गए अवरोधों को हटाकर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए।

तालाब की जगह बंजर भूमि पर निर्माण कर कब्जे को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश

एसडीएम ने काम रुकवाने में जताई असमर्थता, कार्यालय का घेराब कर लगाए प्रशासन मुदार्बाद के नारे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। तहसील क्षेत्र के गांव पलसो में जिला पंचायत के निर्माण कार्यों में अनियमितता को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पलसो के ग्रामीण एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने एसडीएम से तालाब की जगह बंजर भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को बंद कराने की मांग रखी। इस पर एसडीएम ने असमर्थता जाहिर कर दी।

एसडीएम की असमर्थता से ग्रामीण भड़क गए। इस पर एड़ीएम ने कहा मैं निर्माण कार्य बंद नहीं करा सकता हूं, ऊपर सबके संज्ञान में हैं, आप लोग वहां जाएं, और उनसे रुकवाए। इससे ग्रामीण भड़क उठे, ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय में

जमकर जिला प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए। और पैट्रोल छिड़क कर सीएम कार्यालय पर आत्म दाह करने की चेतावनी एसडीएम को दी।

विदित रहे कि गोवर्धन के गांव पलसो में जिला पंचायत निधि से तालाब निर्माण के लिए 17 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। निर्माण कार्य के टेंडर गांव के ही ठेकेदार त्रिवेणी पांडेय को दे दिया। आरोप है कि ठेकेदार पति के द्वारा इस तालाब निर्माण कार्य के स्थान को ही परिवर्तित कर बंजर भूमि में निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। इसका ग्रामीणों ने विरोध किया। विरोध होने पर जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ने निर्माण कार्य बंद करने के आदेश जारी कर दिए।

जिला पंचायत द्वारा सरकारी निर्माण कार्य कराया जा रहा है, तालाब की जगह बंजर भूमि में निर्माण हैं। सभी के संज्ञान में हैं

सुशील कुमार सिंह, एसडीएम

अपर मुख्य अधिकारी का आदेश बना विवाद का कारण?

निर्माण कार्य सत्ता के सफेद पोश नेताओं के संरक्षण में चल रहा था, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विनोद कुमार ढाका ने निर्माण कार्य बंद कराने का आदेश जारी कर दिया। लेकिन सत्ता संरक्षण नेताओं के चलते धरातल पर निर्माण बंद नहीं हुआ।

निर्माण बंद न होने से नाराज ग्रामीणों ने घेरा एसडीएम कार्यालय

तालाब की बजाय बंजर भूमि पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य को जब बंद नहीं किया गया तो ग्रामीण आक्रोषित हो गए। और एसडीएम कार्यालय का घेराव कर दिया। एसडीएम से जमकर कहा सुनी हुई... ग्रामीणों ने एसडीएम ऑफिस में घुसकर जमकर नारेवाजी की। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य बंद न होने पर पैट्रोल छिड़क कर सीएम कार्यालय पर आत्म दाह करने की चेतावनी दी है। वहीं प्रशासन के सपोर्ट में डिरावली के ग्रामीण भी एसडीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने इसे रास्ता बताते हुए निर्माण कराने का समर्थन किया।

जिलाधिकारी ने जौनपुर क्षेत्र में किया रात्रि प्रवास, सुनी जनसमस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल ने अपने जौनपुर क्षेत्र भ्रमण के दौरान रात्रि प्रवास कर स्थानीय जनता की समस्याओं को सुना तथा क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर स्थानीय मुद्दों एवं विकास सम्बन्धी आवश्यकताओं की जानकारी ली और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने देवलसारी स्थित प्राचीन कोणेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन किये, साथ ही उन्होंने तेवा, बंगसील, ओन्तण, बुडकोट, पुजाल्डी, मोलघार सहित विभिन्न गांवों का निरीक्षण किया तथा संचालित होमस्टे संचालन सम्बन्धी जानकारी ली तथा ग्रामीणों से संवाद किया।

साथ ही क्षेत्र में संचालित विभिन्न होमस्टे के लाभार्थियों से वार्ता कर पर्यटन गतिविधियों एवं आजीविका संवर्धन की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा थत्यूड़ - देवलसारी एवं थत्यूड़ - किन्सू मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त स्थलों की मरम्मत एवं डामरीकरण, नागटिब्बा-देवलसारी पैदल ट्रैक के सुधार, देवलसारी मंदिर तक पहुंच मार्ग के निर्माण, गांवों को जोड़ने वाले पैदल एवं संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण तथा ककूड़-सिर्वा मोटर मार्ग की मरम्मत एवं नाली निर्माण की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के अंतर्गत खुशी स्वायत्त सहकारिता, खेड़ा में स्थापित फूड बैंक का उद्घाटन भी किया।

ग्राम पंचायत ठिक्क में ग्रामीणों से संवाद कर किन्सू, उडारसू एवं दुगड्डा तोकों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विद्यालय को सड़क मार्ग से जोड़ने की मांग भी उठाई।

जिलाधिकारी ने धनोल्टी एवं कद्दूखाल में निमार्णाधीन पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर प्रमुख जौनपुर सीता पंवार, डीडीओ मो. असलम, जिला पर्यटन विकास अधिकारी एस.एस. राणा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग थत्यूड़ राजेन्द्र कुमार टम्टा, क्षेत्र पंचायत सदस्य केसर सिंह एवं अनीस कुमार, ग्राम प्रधान शांति प्रसाद गौड़, गीता देवी, गजेन्द्र रतूड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता सोमवारी लाल नौटियाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

गोवर्धन पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे पांच बदमाश दबोचे, अवैध हथियार बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना गोवर्धन पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, चाकू, मोबाइल फोन, नकदी एवं अन्य सामान बरामद किया है। कार्रवाई सोमवार देर रात सकीतरा रोड स्थित सुनसान क्षेत्र में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में दीपक पुत्र नाहर सिंह, राकेश पुत्र जगदीश, सोनू पुत्र बाबूलाल, हर्षित मित्तल, रतन उर्फ टल्लू शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ थाना गोवर्धन में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा 315 बोर, कारतूस, चाकू, टॉर्च, मोबाइल फोन व नकदी बरामद की है। वहीं चार आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर, शीलचंद्र गौतम, चौधरी सतेंद्र सिंह, विकेश तोमर, मनोज कुमार, प्रभाकर, संजीव कुमार, उपनीश, राहुल बालियान आदि थे।

रुस्तम-ए-हिंद फूली पहलवान स्मृति नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट की ट्रॉफी के साथ विजेता सेलखेड़ा टीम एवं अतिथिगण

नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का खिताब सेलखेड़ा के नाम, रोमांचक मुकाबले में सौरई को 15 रनों से दी मात

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। गांव सेलखेड़ा में आयोजित रुस्तम-ए-हिंद फूली पहलवान स्मृति नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला रविवार रात्रि को सेलखेड़ा और सौरई टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेलखेड़ा ने सौरई को 15 रनों से हराकर टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेलखेड़ा टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाए और सौरई के सामने 82 रनों का लक्ष्य रखा।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौरई की टीम सेलखेड़ा के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी

और 7.3 ओवर में 66 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार सेलखेड़ा ने 15 रनों से शानदार जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले से पूर्व राष्ट्रगान का आयोजन किया गया, जिससे पूरा मैदान देशभक्ति के रंग में रंग गया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बंसी भाई ने विजेता टीम सेलखेड़ा को ट्रॉफी के साथ 31 हजार रुपये की नगद धनराशि प्रदान की। वहीं उपविजेता सौरई टीम को ट्रॉफी एवं 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि बंशी भाई ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

टूनार्मेंट में सुरेश मास्टर एवं देवेंद्र मास्टर ने अंपायर की जिम्मेदारी निभाई, जबकि नीरज शर्मा और प्रमोद मास्टर ने कमेंट्री कर मैच को रोचक बनाया। इस अवसर पर पूरन दरोगा, डॉ. जगदीश, देवेंद्र मास्टर, धांधू पहलवान, अतुल परिहार, नरेश परिहार, विपिन परिहार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

क्षत्रिय समाज ने की श्मशान भूमि के रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। कस्बा गोवर्धन में क्षत्रिय समाज के लोगों ने डीग रोड स्थित महदारकुंड के समीप बनी श्मशान भूमि तक जाने वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग प्रशासन से की है। समाज के लोगों का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा वर्षों से रास्ते पर अवैध कब्जा किया गया है, जिसके चलते अंतिम संस्कार के लिए लोगों को महदारकुंड के ऊपर से होकर गुजरना पड़ता है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

क्षत्रिय समाज सेवा समिति के लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से भी कई बार शिकायत भेजी गई, लेकिन हर बार गलत आख्या लगाकर मामले को दबा दिया गया। लोगों का आरोप है कि निरीक्षण के दौरान भी अधिकारियों को सही स्थिति नहीं दिखाई जाती है। समाज के लोगों के अनुसार श्मशान भूमि का रास्ता पहले काफी चौड़ा था, लेकिन अतिक्रमण के कारण अब रास्ता संकरा हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द अतिक्रमण हटाकर श्मशान भूमि का रास्ता सुचारु रूप से खुलवाने की मांग की है।

गुरमत सिखलाई कैम्प के समापन पर 25 बच्चों को किया गया सम्मानित

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। गुरूद्वारा श्री गुरू नानक सभा में बीते 15 दिनों से चल रहे गुरमत सिखलाई कैम्प का शनिवार को समापन हो गया। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजित कर कैम्प में भाग लेने वाले 25 बच्चों व बच्चों को सिखाने वाले 7 लोगों को सम्मानित किया गया। गुरूद्वारा साहिब में आयोजित कार्यक्रम में कैम्प के समापन पर संगत को सम्बोधित करते हुए गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि बच्चें देश का कर्णधार है। इस तरह के आयोजनों से बच्चों को धर्म से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

पंजाबी समाज के अध्यक्ष सतीश गिरधर ने कहा कि स्कूलों की छुट्टियों के दौरान इस लगने वाले इस तरह के कैम्प बच्चों का सही मार्गदर्शन करते है। प्रत्येक वर्ष इस तरह के कैम्प लगाने वाली गुरूद्वारा कमेटी इसके लिए बधाई की पात्र है। कार्यक्रम का संयोजन कर रही दीपिका छाबड़ा ने कहा कि कैम्प में बच्चों को गुरमत व संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया। बच्चों ने संगत को कीर्तन, गुरबाणी, साखी सुनाकर व तबला, बाजा बजाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। गुरूद्वारा कमेटी की ओर से कैम्प में भाग लेने वाले 25 बच्चों को उपहार देकर व बच्चों को सिखाने वाले 7 लोगों को अभिनंदन पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। संचालन गुरजोत सिंह सेठी ने किया। इस दौरान राजन छाबड़ा, हर्ष भारती, बलवंत सिंह उप्पल, सचिन छाबडा, बलदीप सिंह, मोहित मल्होत्रा, अमन सेठी, विपिन नारंग, अमृत सिंह कपूर, सन्नी-मन्नी सेठी, अमनदीप सिंह आदि मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर ब्रह्मांड घाट पर सफाई करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोकुल स्थित पौराणिक ब्रह्मांड घाट पर सोमवार को 'हम सबने यह ठाना है–ब्रज को स्वच्छ बनाना है' अभियान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्वयं श्रमदान कर घाट परिसर और यमुना किनारे सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, हार्टफुलनेस स्वयंसेवकों, नगर पंचायत, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने भाग लेकर सफाई अभियान चलाया। घाट परिसर से प्लास्टिक और कचरा हटाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। जिलाधिकारी ने लोगों से ब्रज को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि ब्रजभूमि की पवित्रता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरे ब्रज क्षेत्र में लगातार चलाया जाएगा। अभियान में शामिल विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ श्रमदान करते हुए घाट परिसर को स्वच्छ बनाया। अधिकारियों ने कहा कि जनसहभागिता से ही ब्रज की सांस्कृतिक गरिमा और स्वच्छता को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र, निशांत शर्मा का भी सहयोग रहा।

सेवा परमो धर्मः अग्रवाल महिला संगम समिति का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सफल

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। अग्रवाल महिला संगम समिति (रजि.) ने संस्थापिका ममता सिंघल के नेतृत्व में जैन धर्मशाला, चिलकाना रोड पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

शिविर का आयोजन संस्थापिका ममता सिंगल जी के जन्म जन्मदिन के उपलक्ष में किया गया उन्होंने अपने जन्मदिन पर एक संदेश दिया की नर सेवा ही नारायण सेवा है

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आंतरिक रोग, हृदय, हड्डी व नेत्र रोगों का मुफ्त परामर्श दिया गया। साथ ही ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ई.सी.जी., बी.एम.डी. व कोलेस्ट्रॉल की निःशुल्क जाँच कर सैकड़ों नागरिकों को लाभ मिला।

कैंप में आए सभी अतिथियों का सम्मान पत्र देकर स्वागत किया गया कैंप में शहर के सभी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कैंप में शहर की सभी संस्थाएं उपस्थिति रही और सभी ने इस कार्य की सराहना की

समिति ने सभी सहयोगी चिकित्सकों, पदाधिकारियों व स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। शिविर का उद्देश्य था - 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ समाज का निर्माण।'

कैंप में संस्था के सभी पदाधिकारी अध्यक्ष पूनम माहेश्वरी सचिव अल्पना गुप्ता कोषाध्यक्ष वर्तिका गोयल रुचि बिंदल ने मंच संचालन किया सारिका सिंघल उषा गर्ग निधि बंसल वंदना गोयल लक्ष्मी गोयल निशा गोयल रसू गुप्ता नीलम गुप्ता प्रीति सिंघल नमिता गोयल रजनी गर्ग गरिमा मित्तल संस्था के करीब 80 मेंबर उपस्थित रहे।

टीम आरएलडी को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान, शेर खान बने जिला संयोजक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) जनपद सहारनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को दिल्ली रोड स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में हस्तिनापुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष तिरसपाल मलिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ टीम आरएलडी के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमरीश त्यागी, अंकित लाल तथा मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर भी मौजूद रहे। बैठक में विगत 18 जून को दिल्ली में राष्ट्रीय लोक दल के

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी द्वारा दिए गए निदेशों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए गांव-गांव में टीम आरएलडी के सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ना आवश्यक है। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष तिरसपाल मलिक ने शेर खान को टीम आरएलडी का जिला संयोजक नियुक्त करने की घोषणा की। जिलाध्यक्ष शाहजमां खान एवं वरिष्ठ नेता चौधरी धीर सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी तथा टीम आरएलडी के संयोजक चौधरी पीके सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और लगन के साथ किया जाएगा तथा पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ नेता चौधरी अयूब हसन, महानगर अध्यक्ष भूषण चौहान, युवा जिला अध्यक्ष चौधरी शिवकुमार गुर्जर, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रधान जसमेर, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष हाजी शमीम अहमद, क्षेत्रीय महासचिव महावीर सैनी एडवोकेट, क्षेत्रीय सचिव मनोज वर्मा, चौधरी अर्जुन सिंह, हरपाल वाल्मीकि, मेहरबान प्रधान, प्रियदीप त्यागी, प्रमोद प्रधान, ठाकुर मूलचंद, पंकज चौधरी, चौधरी गजेंद्र सिंह, हिमांशु जैन, डॉ. अनिल सैनी, राव साना, शहजाद मलिक, अंजुम त्यागी, रेखा धनगर, रेखा शर्मा, संजय कंबोज, सरवन कंबोज, फैसल त्यागी, जाहिद हसन, राव इरफान, हाजी शमीम अहमद, जबर सिंह, प्रिय दीप सिंह, नीरज चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बबलू सिंह के घर वापसी करने पर हुआ भव्य स्वास्थ्य

फतेह खान

शुजागंज अयोध्या(वेलकम इंडिया)। रूदौली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कूढ़ा सादात में बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह 'बब्लू' सिंह के स्वागत के साथ बसपा का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया।

मंडल प्रभारी गया शंकर कश्यप एडवोकेट के नेतृत्व में दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रोड शो एवं भव्य स्वागत समारोह का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान 'बब्लू भैया जिंदाबाद', 'डॉ. अंबेडकर अमर रहें' और 'वक्त बदल दो, ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बसपा की ताकत का प्रदर्शन किया। विशाल काफिला कूढ़ा सादात से निकलकर सोहावल और बीकापुर के प्रमुख बाजारों व चौराहों से होते हुए जलालपुर तिराहे स्थित जनसभा स्थल तक पहुंचेगा। राजनीतिक गलियारों में इस शक्ति प्रदर्शन को बसपा की सक्रिय वापसी और पूर्व विधायक बब्लू सिंह के बढ़ते प्रभाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

आईटीआई सेमरियावां के संचालन की कवायद तेज, जल्द शुरू हो सकती है पढ़ाई

विभागीय स्तर पर प्रक्रिया अंतिम चरण में, शिक्षकों की नियुक्ति और संसाधनों की उपलब्धता बनी प्रमुख चुनौती

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सेमरियावां क्षेत्र के युवाओं को जल्द ही तकनीकी शिक्षा की सौगात मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सेमरियावां के संचालन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज कर दी गई है। जिलाधिकारी द्वारा संस्थान के संचालन के लिए व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के निदेशालय को पत्र भेजा गया है। विभागीय प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद आगामी सत्र से यहां प्रशिक्षण कार्य शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

राजकीय आईटीआई भगौसा के प्रधानाचार्य उदय नारायण ने 9 जून को जिलाधिकारी को पत्र भेजकर अवगत कराया कि आईटीआई सेमरियावां का नवनिर्मित भवन संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जा चुका है। संस्थान के संचालन के लिए आवश्यक स्टाफ, फर्नीचर, प्रयोगशाला उपकरण और अन्य संसाधनों की खरीद के लिए बजट आवंटन का प्रस्ताव भी निदेशालय को भेजा गया है।

बताया गया कि संचालन संबंधी मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक भी आयोजित की जा चुकी है।

प्रधानाचार्य ने प्रशिक्षण निदेशालय को पत्र भेजकर संस्थान के संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी कराने का अनुरोध किया है।

युवाओं को मिलेगा लाभ

आईटीआई के शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा के लिए दूसरे जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर कौशल विकास के अवसर उपलब्ध होने से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी और युवाओं को नए रास्ते मिलेंगे। लंबे इंतजार के बाद अब लोगों को उम्मीद है कि आगामी शैक्षणिक सत्र से संस्थान पूरी तरह संचालित हो जाएगा।

शिक्षकों की नियुक्ति सबसे बड़ी चुनौती

नवनिर्मित आईटीआई भवन पूरी तरह तैयार है और विभाग को हस्तांतरित भी किया जा चुका है। हालांकि संस्थान के संचालन के लिए शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति अभी शेष है। विभागीय स्तर पर पद सृजन, बजट स्वीकृति और स्टाफ चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। इसके अलावा प्रयोगशालाओं के उपकरण, फर्नीचर और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी जरूरी है।

भवन निर्माण पर खर्च हुए 12.34 करोड़ रुपये

आईटीआई भवन का निर्माण मुख्यमंत्री समग्र ग्राम्य विकास योजना के अंतर्गत कराया गया है। वर्ष 2013 में इसकी स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ था। भवन निर्माण पर करीब 12.34 करोड़ रुपये खर्च किए गए। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद फरवरी 2024 में संस्थान का उद्घाटन किया गया था। बाद में भवन को संबंधित विभाग के सुपुर्द कर दिया गया, जिसके बाद अब संचालन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं प्रमुख मुमताज अहमद

लौकी लाला, रक्सा कला और दानोकुइयां समेत कई गांवों का किया दौरा, विकास कार्यों की भी ली जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सेमरियावां के पूर्व ब्लॉक प्रमुख व मौजूदा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद एक बार फिर अपने जनसरोकारों को लेकर चर्चा में हैं। जहां अधिकांश जनप्रतिनिधि चुनावी मौसम में ही जनता के बीच सक्रिय दिखाई देते हैं, वहीं ब्लॉक प्रमुख मुमताज अहमद बिना किसी चुनावी माहौल के लगातार क्षेत्र की जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और हर संभव सहायता का प्रयास कर रहे हैं।

इसी क्रम में सोमवार को उन्होंने ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत लौकी लाला, रक्सा कला, दानोकुइयां समेत कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवारों से मुलाकात कर उनके दुख में सहभागी बने तथा परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। ग्रामीणों ने भी प्रमुख के इस व्यवहार की सराहना करते हुए कहा कि वह हमेशा सुख-दुख में लोगों के बीच मौजूद रहते हैं।

दौरे के दौरान मुमताज अहमद ने गांवों में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने संबंधित लोगों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और जनता की सेवा उनकी प्राथमिकता है तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा रहना है। जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य बदरूदूजा, छोटू, रामदास, ग्राम प्रधान राजेश चौधरी, मोहम्मद आजम, मोहम्मद सलमान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

12 दिन पहले भगवानपुर गंगा में डूबे यशपाल का शव गंगा में मिला शव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। रविवार 21 जून को जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी यशपाल का शव भगवानपुर गंगा में थाना रहरा पुलिस को मिल गया।

बताते चलें कि मृतक यशपाल के परिजनों ने 12 दिन पहले भगवापुर गंगा घाट आकर शव की बरामदगी को लेकर हंगामा भी किया था जिसमें एसआईटी की टीम ने स्थानीय गोताखोरों के साथ गंगा जी में तीन दिन तक अथक मेहनत की थी।कोतवाल रहरा संदीप पंवार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अमरोहा अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

मौका मिला तो खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम, विश्वविद्यालय और मेडिकल कालेज खोला जायेगा: मोहम्मद शफीक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को विकास खण्ड सेमरियावा के दुधारा में नवयुवक नाईट हैण्ड्रम क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य समापन हुआ। इस दौरान शेरा मउ ने सीजेपी को हराकर खिताबी जीत हासिल की। विजेता टीम को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सेमरियावा ब्लाक के दुधारा में नवयुवक नाइट हैण्ड्रम क्रिकेट टूनार्मेंट का रविवार को भव्य समापन हुआ। विधानसभा खलीलाबाद के भावी प्रत्याशी मोहम्मद शफीक ने फीता काटने के बाद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अगर विधानसभा क्षेत्र की सम्मानित जनता ने मुझे मौका दिया तो खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में

स्टेडियम, विश्वविद्यालय और मेडिकल कालेज खोला जायेगा। क्षेत्र के लोगों के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

उन्होंने खिलाड़ियों और कमेटी के लोगों को मेडल पहनाकर उत्साहवर्धन किये। फाइनल मैच में सीजेपी ने 4 ओवरों में 34 रन बनाये जवाब में उतरी शेरा मउ ने 2.2 ओवरों में ही 35 रन बनाकर खिताबी जीत हासिल कर ली।

पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने पर शेरा मउ के कप्तान रशीद को मैन ऑफ दी सीरीज चुना गया। कूलर देकर उन्हें पुरस्कृत किया गया। फाइनल मैच का मैन आफ द मैच कप्तान रशीद को दिया गया। मैन ऑफ द मैच कलाम मोबाइल शॉप सेमरियावां और मैन आफ द सीरीज वहीद इलेक्ट्रॉनिक्स दुधारा द्वारा दिया गया। विजेता टीम को विजेता टीम को 20000 और शील्ड और उपविजेता टीम 12000 और शील्ड प्रदान किया गया।

इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल कदीर ने सभी का शुक्रिया अदा किया। इस अवसर पर अब्दुल कदीर, अब्दुल सलाम, एडवोकेट मोहम्मद सलीम, मुहम्मद परवेज अख्तर, शमसुद्दीन, शमशीर अहमद, अजहरूद्दीन, अली अब्दुल्लाह, अफ्फान उर्फ पोले, मुहम्मद अदनान, मोहम्मद सलमान, अब्दुल खालिद, मकसूद अहमद, नियामुल्लाह, रिजवान अहमद, अनवारूल हक, सैम, अबरार अहमद, गुफरान अहमद आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

विद्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत डी एस जे के उ. मा. विद्यालय मुस्तफाबाद डडुआ में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शारीरिक शिक्षा योग प्रशिक्षक मित्र सेन मौर्य ने सभी विद्यार्थियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। योग सत्र में खड़े होकर किए जाने वाले ताड़ासन, वृक्षासन और पादहस्तासन, बैठकर किए जाने वाले दंडासन, वक्रासन, उत्तान मंडूकासन एवं शशकासन तथा लेटकर किए जाने वाले शलभासन, मकरासन, भुजंगासन और सेतुबंधासन का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा कपालभाति, नाड़ी शोधन, भ्रामरी एवं उद्गीत प्राणायाम के साथ ध्यान का भी अभ्यास कराया गया। शारीरिक शिक्षक मित्र सेन मौर्य ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय कर्मियों और छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाकर विदेश यात्रा करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पंजीकृत मु0अ0सं0 215/2023 धारा 419/420/120बी/467/468/471 भादवि व 8/13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 एवं 12 पासपोर्ट अधिनियम से सम्बन्धित अभियुक्त संदीप कुमार पुत्र राम आशीष निवासी ग्राम बण्डा बाजार थाना घनघटा जनपद संतकबीरनगर के विरुद्ध लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था।

उक्त अभियुक्त संदीप कुमार उपरोक्त को अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डा लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। विदित हो कि दिनांक 21.06.2026 को इमिग्रेशन डिपार्टमेन्ट अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डा लखनऊ पर नियुक्त उ0नि0 अनिल कुमार यादव, हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार अभियुक्त उपरोक्त की न्यायिक अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त करने हेतु लखनऊ के लिए रवाना हुये थे। अभियुक्त उपरोक्त को लखनऊ एयर पोर्ट पहुँचकर ईमीग्रेशन डिपाटमेन्ट के अधिकारीगण से सम्पर्क करने पर ईमीग्रेशन डिपामेन्ट के अधिकारीगण से वार्ता कर अभियुक्त व्यक्ति संदीप कुमार उपरोक्त को पुलिस बल द्वारा गिरफ्तार किया गया। सोमवार को साथ लेकर लखनऊ से थाना खलीलाबाद उपस्थित आये। अभियुक्त उपरोक्त को विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय रवाना किया गया। बरामदगी- एक अदद कुटरचित पासपोर्ट, एक अदद आपाती प्रमाण पत्र, एक अदद आधार कार्ड प्रस्तुत।

मुख्यमंत्री की तस्वीर पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में पुलिस ने शुरू की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर में सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मामला नगर के मोहल्ला किला घास मंडी का बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता सचिन कुमार शर्मा के अनुसार, उन्होंने 5 जून को अपने फेसबुक अकाउंट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक तस्वीर साझा की थी। आरोप है कि इस पोस्ट पर एक फेसबुक प्रोफाइल से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई, जिससे समर्थकों की भावनाएं आहत होने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता सचिन ने पुलिस से संबंधित सोशल

मीडिया अकाउंट की पहचान कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, शिकायत में यह भी चिंता जताई गई है कि इस तरह की टिप्पणियां सामाजिक माहौल को खराब कर सकती हैं। इस मामले पर जहांगीराबाद के कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है, जिसमें संबंधित पोस्ट, टिप्पणी और अकाउंट की डिजिटल जांच की जाएगी।

सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संत समाज का योगदान अतुलनीय है : मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरि सेवा आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं विशाल संत सम्मेलन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने पूज्य संत-महात्माओं का अभिनंदन किया तथा आश्रम द्वारा किए जा रहे सेवा, संस्कार एवं समाज जागरण के कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं जीवन के वास्तविक उद्देश्य से जोड़ने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने संत समाज को भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना का संवाहक बताते हुए कहा कि इतिहास में संतों एवं मनीषियों ने समाज को मार्गदर्शन देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संत समाज का योगदान अतुलनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अस्मिता, आध्यात्मिक पहचान एवं सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। इसी उद्देश्य से राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता तथा भू-कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से जोड़ने के लिए दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की स्थापना की गई है, जहां भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं सभ्यता पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं शोध कार्य किए जाएंगे। हरिद्वार में प्राच्य शोध संस्थान की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिचेतानन्द जी महाराज का आभार व्यक्त करते हुए संत समाज से राज्य एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों के आशीर्वाद और जनसहयोग से उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प को अवश्य पूर्ण किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूड़ी भूषण, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, प्रदीप बत्रा, संतगण एवं अन्य गणमान्य मौजूद थे।

माननीय मूल्यों के संरक्षण में साहित्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ. शंभु पंवार

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण और मानवता का पथप्रदर्शक है। यह विचार वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक एवं साहित्यकार डॉ. शंभु पंवार ने व्यक्त किए।

वे राजधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीतांजलि काव्य प्रसार मंच की गुरुग्राम इकाई द्वारा आयोजित आभासी काव्य गोष्ठी में मुख्य आतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि

साहित्यकार समाज की आत्मा होते हैं, जो अपनी लेखनी के माध्यम से न केवल भावों को अभिव्यक्ति देते हैं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा भी प्रदान करते हैं।

डॉ.पंवार ने कहा कि विज्ञान और तकनीक के इस युग में जहाँ भौतिक

प्रगति हुई है, वहीं मानवीय संवेदनाओं, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को सशक्त बनाए रखने में साहित्य की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं, बल्कि मनुष्य को बेहतर और संवेदनशील बनाने की साधना है।गोष्ठी की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्यातिनाम साहित्यकार वीणा अग्रवाल ने की एवं सानिध्य मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गीतांजलि नीरज अरोड़ा का रहा।

गोष्ठी का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार उमंग जोली सरीन की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। इकाई अध्यक्ष शकुंतला मित्तल ने अतिथियों का परिचय एवं महासचिव रेणु मिश्रा 'रतन' ने स्वागत किया। गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. पुष्पा जोशी, पुष्पा शर्मा कुसुम, उमंग जोली सरीम, नोएडा इकाई अध्यक्ष रश्मि भटनागर, गाजियाबाद इकाई अध्यक्ष संध्या सेठ, पश्चिमी दिल्ली इकाई अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता पुष्प ने भी विचार व्यक्त किए। रेणु मिश्रा 'रतन' के प्रभावी एवं सजीव संचालन ने गोष्ठी के चार चांद लगा दिए।काव्य गोष्ठी में मनोरमा, सीमा पूर्व सिमी,सुनीता बंसल, डॉ. शारदा मिश्रा, पदमा कंसल, मोहिनी पांडे, उमंग जोली सरीन, डॉ.कृष्णा आर्य, डॉ. पुष्पा जोशी, डॉ। पुष्पलता पुष्प, डॉ. कविता विकास, डॉ. विनीता शर्मा ,रश्मि भटनागर, संध्या सेठ, पुष्पा शर्मा कुसुम, लोकेश चौधरी क्रांति, डॉ. गीतांजलि नीरज अरोडा 'गीत', शकुंतला मित्तल, रेनू मिश्रा' रतन', डॉ.शिखा नागर सर्वांगी ,वीणा अग्रवाल रचनाकारों ने अपनी उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा ने कार्यक्रम संयोजिका एवं इकाई संरक्षक वीणा अग्रवाल,एवं इकाई अध्यक्ष शकुंतला मित्तल, उपाध्यक्ष लोकेश चौधरी क्रांति, महासचिव रेणु मिश्रा 'रतन'को 'गीतांजलि काव्य साधना सम्मान' से सम्मानित किया। अंत में लोकेश चौधरी ने सभी अतिथियों, रचनाकारों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एनडीआरएफ ने दिया संदेश योग अपनाएं,स्वस्थ जीवन पाएं

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 11वीं एनडीआरएफ वाराणसी के वाहिनीं मुख्यालय चौकाघाट में उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा निर्देशन में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एनडीआरएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में लगे बल के बचावकर्मियों और उनके परिजनों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ्य जीवन शैली को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के योग वेलनेस सेंटर से कुशल योग प्रशिक्षक ऋषभ पाण्डेय एवं यश मौर्य ने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायामों का अभ्यास कराया।

इसके अतिरिक्त एनडीआरएफ

के बचावकर्मियों ने काशी के नमो घाट तथा सारनाथ सहित गोरखपुर,लखनऊ तथा भोपाल में भी विभिन्न संस्थाओं और निकायों के कर्मचारियों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया तथा उपस्थित जन सामान्य को इसे नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने काशी के लोगो को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ एवं सशक्त बनाता है,बल्कि मानसिक संतुलन, एकाग्रता एवं तनाव प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे कर्मियों की कार्यक्षमता, मानसिक दृढ़ता एवं समग्र स्वास्थ्य बेहतर बना रहे।

यह आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

पत्रकार प्रताड़ना पर एसपी हुए सख्त, कार्रवाई के आदेश

पत्रकार प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मिलकर सौंपा ज्ञापन

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। जिले में पत्रकारों के साथ हो रही कथित प्रताड़ना और उत्पीड़न के मामलों को लेकर पत्रकार प्रेस क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने पत्रकारों की समस्याओं से अवगत कराते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की और एक ज्ञापन सौंपा।पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक ने एसपी अभिनव त्यागी के स्थान पर जनसुनवाई कर रहे एएसपी शुभम अग्रवाल को बताया कि समाचार संकलन और जनहित के मुद्दों को उठाने के दौरान कुछ पत्रकारों को अनावश्यक दबाव,अभद्र व्यवहार तथा उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।इससे पत्रकारिता के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसपी शुभम अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कानून के दायरे में रहकर कार्य करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा।

एएसपी के सकारात्मक आश्वासन के बाद पत्रकारों ने संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। बताते चले कि सोमवार कोपूर्वाह्न पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक के नेतृत्व में पत्रकार प्रेस क्लब का प्रतिनिधि मंडल अपर पुलिस अधीक्षक से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने पीपीसी भदोही के जिला संरक्षक फूलचंद मिश्रा एवं जिला सदस्य राजकुमार गौतम से जुड़े प्रकरण को गंभीरता से उठाते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की। पत्रकारों ने मामले में निष्पक्ष जांच, न्यायोचित कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ न्याय होगा और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने एसपी के आश्वासन पर भरोसा जताते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद व्यक्त की। इसी के साथ तीन पत्रकार क्रमशः वकील दुबे सत्यम न्यूज, प्रशांत सिंह आकाश भूमि ,लाल साहब यादव दैनिक मान्यवर को पत्रकार प्रेस क्लब की सदस्यता दिलाई गई। अपर पुलिसअधीक्षक से मिलने वालों में पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश महासचिव सत्येंद्र द्विवेदी, प्रदेश सलाहकार सचिव/प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक मिश्रा, प्रदेश सलाहकार सचिव कृष्णा पाठक, मिजार्पुर मंडल उपाध्यक्ष सुरेश मिश्रा,महासचिव राजेश मिश्रा,जिला संरक्षक फूलचंद मिश्रा,जिला संयोजक आशीष सोनी, जिलाध्यक्ष दिलीप दुबे,जिला महासचिव विष्णु दुबे,जिला संगठन मंत्री राजकुमार सरोज, जिला सचिव राज नारायण यादव,जिला सचिव विकास मिश्रा, विकास पाण्डेय, आनंद तिवारी, राधेकृष्ण तिवारी, राजकुमार गौतम, रोशनी मल्होत्रा,सुधीर उपाध्याय,सुभाष सिंह,लाल साहब यादव, प्रशांत सिंह,वकील दुबे,प्रेम कुमार,शीतल श्रीवास्तव सहित तमाम पत्रकारउपस्थित रहे।

तालाब की भूमि से कब्जा हटाकर खुदाई कराने की मांग, ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। ग्राम पंचायत महगी के राजस्व ग्राम/मजरा बरेखेड़ी मुसलमान के ग्रामीणों ने तालाब की भूमि को कब्जामुक्त कराकर उसकी खुदाई कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि खसरा संख्या 143, रकबा 0.0400 हेक्टेयर भूमि तालाब के लिए चिन्हित है, लेकिन वर्तमान में उस पर कब्जा होने के कारण तालाब का निर्माण और खुदाई कार्य नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि उक्त भूमि को पूर्व में उपजिलाधिकारी नकुड़ एवं ग्राम विकास अधिकारी गंगोह द्वारा तालाब के लिए चिन्हित किया गया था।यदि तालाब की खुदाई कराई जाती है तो गांव में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा तथा वर्षा जल का संरक्षण भी होगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि खसरा संख्या 143 की भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए तालाब की खुदाई की स्वीकृति प्रदान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। ज्ञापन पर प्रवीण सैनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

अंतर्राष्ट्रीय 21वें योग दिवस पर भारत विकास परिषद वाराणसी सिटी का भव्य योग शिविर ,योग गुरु चक्रवर्ती विजय नावड ने बताया स्वस्थ जीवन का मंत्र

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। भारत विकास परिषद वाराणसी सिटी शाखा के तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर मडुआडीह स्थित होटल एलीगेंस में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर काशी योग संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध योग गुरु चक्रवर्ती विजय नावड मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति,एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है।

योग शिविर में नावड ने उपस्थित जनों को विभिन्न योगासन,प्राणायाम एवं मुद्राओं का अभ्यास कराया तथा ऋतु के अनुरूप आहार-विहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उपस्थित सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया और योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अमित कुमार सोनी,नितिन बंसाली,संजीव कुमार,कार्यक्रम संयोजक राजकुमार अग्रवाल,निधि अग्रवाल,संदीप कपूर,दीपाली कपूर सहित भारत विकास परिषद वाराणसी सिटी शाखा के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष ने इंटरलॉकिंग मार्ग का किया शिलान्यास

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। सेवापुरी विधानसभा के जंसा मंडल के ग्राम सभा कल्लीपुर में सोमवार की सुबह वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने 2 लाख 99 हजार की लागत से 60 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण कराने हेतु विधि-विधान से मंत्रोच्चार के बाद पूजा-पाठ कर शिलान्यास किया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि कल्लीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में त्वरित आर्थिक विकास योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत कार्य का शिलान्यास किया गया है। इस इंटरलॉकिंग रोड से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी तथा स्थानीय विकास को भी गति मिलेगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि इसी तरह मां कालिका मंडल के गजेपुर गांव में 3 लाख 72 हजार की लागत से 60 मीटर और 9 लाख 25 हजार की लागत से 200 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का भी शिलान्यास रविवार की देर शाम किया गया था। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, जंसा मंडल अध्यक्ष डॉ.रमेश पटेल, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष सुशील सिंह 'तोयज', मंडल उपाध्यक्ष मनीष दूबे, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', नीरज सिंह, चंद्रशेखर सिंह, अमित पटेल 'रिंकू, गोलू समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मनीष सैनी हत्याकांड में बढ़ा आक्रोश, परिजनों ने शव रखकर किया हंगामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के मोहल्ला आहनग्रान निवासी मनीष सैनी (26) की हत्या के मामले ने सोमवार को तूल पकड़ लिया। घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर जोरदार प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के एनकाउंटर और उसके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। बता दें कि रविवार की देर रात मोहल्ला आहनग्रान निवासी मनीष सैनी (जो पेशे से मोबाइल रिपेयरिंग का काम करते थे) अपने कुछ साथियों के साथ भैयापुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास मौजूद थे। वहां शराब पार्टी के दौरान हुए किसी विवाद में मनीष के माथे पर गोली मार दी गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ही मुख्य आरोपी फरार चल रहा है। सोमवार को हत्या से गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव को रख जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि घटना को काफी समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस अभी तक मुख्य आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार लगातार परिजनों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं और उन्हें शीघ्र गिरफ्तारी का भरोसा दिला रहे हैं। वहीं एसपी देहात अंतरिक्ष जैन के निर्देशन में इस हत्याकांड के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए स्वाट टीम सहित पुलिस की चार टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी को कानून की गिरफ्त में लाया जाएगा।

नगर पालिका का चला पीला पंजा, सड़क किनारे अवैध कब्जे हटाए; काटे गए चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर पालिका परिषद जहांगीराबाद ने शहर को जाम की समस्या से मुक्त करने और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एक सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान अनूपशहर बाईपास से लेकर विमला टाकीज तक सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की गई। सोमवार को नगरपालिका की टीम ने अनूपशहर बाईपास से विमला टाकीज तक का क्षेत्र कवर किया, जहाँ सड़क किनारे अस्थाई दुकानों और अन्य प्रकार से किए गए कब्जों को हटवाया गया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध मौके पर ही चालान काटने की कार्रवाई की गई। नगरपालिका के सैनिटरी इंस्पेक्टर रोहित कुमार ने अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिए कि वे सोमवार तक अपना सामान खुद हटा लें। चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो अगले सप्ताह पुनः अभियान चलाकर भारी जुमार्ना और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगरपालिका अधिशासी अधिकारी (एड) गार्गी त्यागी ने बताया कि यह अभियान जिलाधिकारी के विशेष निदेर्शों के अनुपालन में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस साप्ताहिक अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना है, ताकि नागरिकों को रोजमर्रा की जाम की समस्या से मुक्ति मिल सके और सड़कों पर आवागमन सुरक्षित व सुचारु हो सके। अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान एक सतत प्रक्रिया है और आने वाले दिनों में भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। प्रशासन के इस रुख से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन 95 बटालियन के कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ जिसमें बल के अधिकारीगण और जवानों ने पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में योगाचार्य प्रकाश नाथ योगी काल भैरव परिवार के सानिध्य में जवानों को योग,प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगाचार्य ने दैनिक जीवन में योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे योग शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहायक है। वरिष्ठ अधिकारियों और कार्मिकों की गरिमामयी उपस्थिति इस वृहद योग कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित अधिकारीगण और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजेश्वर बालापुरकर (कमांडेंट) जिनके नेतृत्व में पूरा कार्यक्रम संचालित हुआ। राजेश कुमार सिंह (द्वितीय कमान अधिकारी),आलोक कुमार (एसएमओ),रवि प्रकाश,ज्ञानेश प्रकाश सिंह सहायक कमांडेंट,प्रवीण सिंह एवं प्रिंस सिंह इसके साथ ही कार्यक्रम में तमाम भारी संख्या में बटालियन के कार्मिक और बहादुर जवानों ने उपस्थिति दर्ज कराई और सामूहिक रूप से योग कर 'स्वस्थ भारत' का संदेश दिया।

कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने कहा योग केवल एक व्यायाम नहीं,बल्कि शरीर,मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोने का विज्ञान है। देश की सेवा में तैनात हमारे जवानों के मानसिक और शारीरिक संतुलन के लिए योग अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने सभी अतिथियों,योगाचार्यों और जवानों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एनपीए खातों के खिलाफ सख्त अभियान उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने दो संपत्तियों पर किया कब्जा,नीलामी की तैयारी

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी चंदन कुमार व नायब तहसीलदार व पुलिस दल बल के साथ पहुँचे और संगीता गुप्ता तथा रूबी अग्रहरी के मकान पर कब्जा प्राप्त कर लिया। संगीता गुप्ता द्वारा माँ गौरी इंटरप्राइजेज के नाम से शाखा सेनपुरा से वर्ष 2017 में 20 लाख लाख रुपए का कर्ज लिया था जिसमे जमानत के तौर पे अपना मकान बैंक के पक्ष में बंधक रखा था समय पर कर्ज ना चुकाने पर वर्ष 2021 से ऋण खाता एनपीए चल रहा था। बैंक अधिकारी द्वारा बार-बार नोटिस देने के बाद भी जब उनके द्वारा कर्ज का भुगतान नहीं किया गया तो बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए मकान पर कब्जा प्राप्त कर लिया। इसी प्रकार एक अन्य ऋणी रूबी अग्रहरी द्वारा शाखा भारलाई से वर्ष 2019 में 20 लाख रुपए का कर्ज लिया था जिसमे जमानत के तौर पे अपना मकान बैंक के पक्ष में बंधक रखा था समय पर कर्ज ना चुकाने पर वर्ष 2023 से ऋण खाता एनपीए चल रहा था। इस ऋण खाते में बंधक मकान पर भी बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए मकान पर कब्जा प्राप्त कर लिया। बैंक अधिकारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया की इस समय बैंक के एनपीए खातों में बंधक सम्पतियों पर कब्जा प्राप्त करने और उन्हें नीलाम करने हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं।

लक्ष्य फाउण्डेशन द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

नरौरा/डिबाई/रामघाट। ढकनगला, नरौरा में रविवार 21 जून 2026 को लक्ष्य शिक्षा एवं राहत कोष फाउण्डेशन के तत्वावधान में 'विशाल प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम एनएपीएस कॉलोनी गेट के सामने आयोजित हुआ।

मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से शुभारंभ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीत व स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया और छात्रों को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

योगाभ्यास व नशा मुक्ति रैली

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह योगाभ्यास कराया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने भाग लिया। इसके उपरांत नशा मुक्ति के लिए एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें लोगों से नशा न करने की अपील की गई। आयोजकों ने बताया कि फाउण्डेशन का लक्ष्य 'सबको शिक्षा, सबको राहत' पहुंचाना है। मुख्य अतिथियों की श्रंखला में रघुराज सिंह (कर्नल)डॉ. रोहित लोधी (प्रदेश उपाध्यक्ष),पंकज लोधी(जिला महामंत्री अलीगढ़)मलखान सिंह राजपूत,सीमा विश्वकर्मा,नीलम शर्मा, खुशबू,सुधा, हेमलता,श्योराज सिंह विनोद कुमार आचार्य गरिमामय उपस्थिति रही कार्यक्रम दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान ग्राम प्रधान राकेश कुमार,राकेश मथुरिया,डॉ धर्मेंद्र कुमार लोधी, डॉ. डोरीलाल शर्मा, रघुनंदन शर्मा, माधवेन्द्र सिंह,डॉ.अशोक कुमार, मुकेश कुमार राजपूत फहीमुद्दीन सैफी,ओमप्रकाश, गोवर्धन सिंह,दिनेश वर्मा, मेघ सिंह, सुरजीत कुमार,अमित भारद्वाज, राम अवतार शर्मा,राजू माथुर,अजीत कुमार,विनोद राठी, डॉ.नीरज बघेल, डॉ.दिनेश कुमार, उमेश वर्मा,अनिल वर्मा,कैलाश कुमार,रतन सिंह दिवाकर आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं व जनहितकारी मुद्दों को लेकर हिंदूवादी नेता विकास त्यागी ने राज्यपाल से की भेंट, मिला समाधान का आश्वासन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक और प्रखर हिन्दूवादी नेता विकास त्यागी ने आज लखनऊ स्थित राजभवन में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से भेंट कर प्रदेश की वर्तमान सामाजिक स्थिति, क्षेत्रीय समस्याओं और जनहित से जुड़े गंभीर विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

भेंट के दौरान विकास त्यागी ने राज्यपाल को जनहितकारी मुद्दों और प्रशासनिक चुनौतियों से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा और उनके प्रभावी समाधान का विनम्र अनुरोध किया। माननीय राज्यपाल ने विकास त्यागी द्वारा उठाए गए बिंदुओं को अत्यंत धैर्य और गहराई से सुना तथा जनहित की इन समस्याओं के निराकरण के प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि शासन स्तर से इन विषयों पर सकारात्मक और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, राज्यपाल ने प्रदेश की प्रगति और सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए किए जा रहे विकास त्यागी के प्रयासों की सराहना भी की।

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में योग दिवस का भव्य आयोजन

पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. शिखा दरबारी और कर्नल प्रसून सिंह ने किया छात्रों का मार्गदर्शन, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मिले पारितोषिक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल निवाड़ी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'सिक्स सिग्मा आईएएस एकेडमी नोएडा' एवं 'पंच प्रयत्न फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल योग शिविर और सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. शिखा दरबारी ने शिरकत की। उन्होंने उपस्थित सभी छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने सारगर्भित उद्बोधन में डॉ. शिखा दरबारी ने योग को मात्र एक दिन का अभ्यास न मानकर, इसे अपने जीवन और दिनचर्या में पूरी तरह से आत्मसात करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए योग और ध्यान से जुड़ना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल प्रसून सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने अनुशासित जीवन का अनुभव साझा करते हुए सभी उपस्थित जनों से आग्रह किया कि वे योग को अपने जीवन में ढालें। उन्होंने बताया कि किस प्रकार योग न केवल शरीर को निरोगी रखता है, बल्कि मानसिक दृढ़ता और एकाग्रता भी प्रदान करता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा किया गया शानदार योग प्रदर्शन रहा। अतिथियों के समक्ष कठिन योगासनों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन करने वाले इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का विशेष रूप से उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. शिखा दरबारी और कर्नल प्रसून सिंह द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर योगाचार्य गीतक सिंधु के कुशल निर्देशन तथा आयोजक समिति के उत्तम कुमार एवं अभिषेक चौधरी द्वारा किए गए शानदार व सुव्यवस्थित आयोजन की सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों द्वारा विशेष रूप से सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सरिता सिंधु ने अतिथियों, 'सिक्स सिग्मा आईएएस एकेडमी नोएडा' और 'पंच प्रयत्न फाउंडेशन' की टीम का इस ज्ञानवर्धक और ऊर्जावान सत्र के आयोजन के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और शांति पाठ के साथ हुआ।

वंदना शर्मा को एम एम मोदी डिग्री कॉलेज की प्रधानाचार्य नियुक्त होने पर दी बधाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर स्थित मुल्तानीमल मोदी डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर मनोनीत हुई वंदना शर्मा को राष्ट्रीय परशुराम परिषद से जुड़े पदाधिकारीयों ने फूलों के गुलदस्ते भेंट कर बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सोमवार को राष्ट्रीय परशुराम परिषद से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी मुल्तानी मल मोदी डिग्री कॉलेज पहुंचे जहां उन्होंने नव नियुक्त हुई मुल्तानिमल डिग्री कॉलेज की प्रधानाचार्य वंदना शर्मा को प्राचार्य पद ग्रहण करने पर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अनेकों शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में संगठन के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सभासद पंडित दीपक वत्स, बृजमोहन शर्मा, मीडिया प्रभारी कुंज बिहारी शर्मा, महिला शक्ति वाहिनी की जिला अध्यक्ष गीता कौशिक, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के नगर अध्यक्ष ललित शर्मा, आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन द्वारा मासिक बैठक में पूर्व सैनिकों ने किया योग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका पुस्तकालय भवन में पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन द्वारा 12 वें योग दिवस अवसर पर मासिक बैठक का आयोजन किया।जिसमें सर्वप्रथम सभी पूर्व सैनिकों ने योग की विभिन्न मुद्राओं में योग किया।तत्पश्चात विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। रविवार को पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन द्वारा आगामी 15 जुलाई को कारगिल विजय दिवस को मनाए जाने को लेकर मासिक बैठक के दौरान विस्तार में चर्चा की।

बैठक की अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष पूर्व ब्लैक कैट कमांडो मनोज शर्मा ने की तथा संचालन संगठन संस्थापक लक्ष्मण राठी ने किया।इस अवसर पर 12वां योग दिवस मनाते हुए सभी पूर्व सैनिकों ने योग की विभिन्न मुद्राओं पर योग किया। तत्पश्चात बैठक की शुरूआत करते हुए लक्ष्मण राठी ने कहा कि सभी को विदित है की15 जुलाई में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित हैं।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी पूर्व सैनिक साथियों को अपना महत्वपूर्ण योगदान देना पड़ेगा। बैठक के दौरान चले विचार विमर्श के पश्चात सभी को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई जिस पर सभी ने सामूहिक रूप से अपना पूर्ण रूप से सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर मौजूद रहने वालों में मुख्य रूप से संगठन अध्यक्ष मनोज शर्मा, संस्थापक लक्ष्मण सिंह राठी, महेश शर्मा, विक्रांत राणा, कंवर सिंह, ओमपाल तेवतिया, विनोद गुप्ता, रिशिपाल यादव, चौधरी जगबीर, चौधरी चंद्रपाल, कुलदीप राजपाल शर्मा, रोहतास, एपी गुप्ता, चौधरी जितेंद्र बहापुर वाले, रजनीश कुमार, सोमपाल कश्यप आदि पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

गरीब बेटी के विवाह में 'राष्ट्रीय मजदूर महाशक्ति' ने बढ़ाया मदद का हाथ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सलेमाबाद गाँव में एक गरीब परिवार की बेटी के विवाह के पर 'राष्ट्रीय मजदूर महाशक्ति' संगठन ने सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सिंह शिशोदिया के दिशा-निर्देशन में पदाधिकारियों और सदस्यों ने विवाह समारोह में पहुँच कर नववधू को आशीर्वाद दिया और उसके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। घरेलू जरूरत का सामान और नकद राशि भेंट की। संगठन की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की मदद के लिए दैनिक उपयोग और घरेलू जरूरत का सामान उपहार स्वरूप भेंट किया गया।1,100 की नकद कन्या दान राशि दी। इस सेवा कार्य को सफल बनाने और वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए संगठन के शीर्ष नेतृत्व और मुख्य पदाधिकारी विशेष रूप से वीर सिंह शिशोदिया राष्ट्रीय अध्यक्ष (राष्ट्रीय मजदूर महाशक्ति) प्रियांशु त्यागी (डिडोली) जिला अध्यक्ष, गाजियाबाद, शुभम पाल जिला महासचिव, कृष्ण चौधरी तहसील अध्यक्ष एवम सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान संगठन के सक्रिय सदस्य वंश त्यागी (निवाडी), कार्तिक, दीपक, उज्ज्वल (नेकपुर) कुलदीप, वंश डिडोली, और आर्यन आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे और व्यवस्थाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एएमएम पब्लिक स्कूल में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एएमएम पब्लिक स्कूल में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'योग अपनाएँ, निरोग रहें' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के चेयरमैन प्रभात मित्तल तथा योगाचार्य करतार सिंह भाटी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद पतंजलि योग टीम के निर्देशन में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगाचार्य करतार सिंह भाटी ने नियमित योगाभ्यास के लाभ बताते हुए कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रभात मित्तल ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित और संतुलित जीवन की संपूर्ण जीवनशैली है। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों को नियमित योगाभ्यास अपनाने तथा भारतीय संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। निर्देशिका रेखा मित्तल, निर्देशक शशांक अग्रवाल, अतिथि राकेश शर्मा एवं प्रधानाचार्या रीता रस्तोगी ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर हिमानी तोमर, अनीता, रेनू ठाकुर, रजनी कटारिया, शालिनी ठाकुर आदि शिक्षिकाओं के अलावा भारत स्वाभिमान ट्रस्ट से प्रेमचंद सैनी, प्रवीण त्यागी, डा सन्तोष तिवारी, लव तिवारी, पंकज मित्तल, सतीश, सुनील कुमार, संजीव, पियूष, ब्रजमोहन, ओमपाल, अजय त्यागी, प्रणव, प्रताप भाटी, बब्लू, मनीष कसल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अधिवक्ता चैंबर निर्माण की मांग को लेकर मंडल अधिशासी अभियंता से मिला अधिवक्ता प्रतिनिधि मंडल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर तहसील बार से जुड़े अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने क्षतिग्रस्त वाद कारी भवन का पुनर्निर्माण कराकर अधिवक्ता को चैंबर आवंटित किए जाने की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग मुख्य विकास अधिकारी से मुलाकात की। मोदीनगर बार संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत कुमार, सह सचिव अरुण भारद्वाज व वीरेंद्र एडवोकेट सहित एक प्रतिनिधि मंडल अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद वे मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद से मिला जिसमें तहसील मोदीनगर में स्थित क्षतिग्रस्त वादकारी भवन जिसको पूर्व में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा सील किया गया हुआ है जिसमें नए अधिवक्ताओं के चैंबर निर्माण हेतु एस्टीमेट एवं आगमन तैयार करने हेतु मिला गया जिसमें मुख्य अभियंता द्वारा जल्द ही क्षतिग्रस्त बात करी भवन को ध्वस्त करके निर्माण तैयार करके संबंधित अधिकारी को प्रेषित करने का आश्वासन दिया।ताकि भवन के कारण यदि कोई दुर्घटना घटित हो जाती है तो उसे हमारे किसी अधिवक्ता साथी या वादकारी को कोई जान माल का नुकसान ना हो सके तथा नए अधिवक्ताओं को नियमानुसार नवनिर्मित चैंबर अलॉट करते हुए इस संबंध में बार को सूचित किया जाएगा।इस मौके पर बार के समस्त पदाधिकारी गण एवं अधिवक्ता कारण का सहयोग रहा।

जनता दर्शन में डीएम का सख्त संदेश: शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं और शिकायतों की सुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, समाज कल्याण समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का समाधान संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ किया जाना चाहिए।

डीएम के नेतृत्व में जनपद में अवैध अतिक्रमणकारियों और भूमाफियाओं के खिलाफ व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। प्रशासन सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के साथ-साथ 'गरीब का गृह प्रवेश' अभियान के माध्यम से गरीब, असहाय और वंचित लोगों को उनकी संपत्तियों पर दोबारा कब्जा दिलाकर सम्मानपूर्वक गृह प्रवेश कराने की पहल कर रहा है।

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों से संवाद कर लंबित मामलों के त्वरित और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। प्रशासन की इस संवेदनशील कार्यशैली से आमजन में विश्वास बढ़ा है और पात्र नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) अवनीश सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ज्योति मौर्य, अपर जिलाधिकारी (नगर) गंभीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्राची सिंघल अवस्थी को व्याख्यान देने के लिए किया गया आमंत्रित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्राची सिंघल अवस्थी को आइरिया एसोसिएशन द्वारा (सीसीएफआरजी) में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। डॉक्टर प्राची सिंघल पहले भी इस तरह के अधिवेशन में अध्यापक के तौर पर दे चुकी है अपने व्याख्यान। सोमवार को डॉ प्राची सिंघल को मिले इस विशेष निमंत्रण के संबंध में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रेडियोलोजी एसोसिएशन द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में सीसीएफआरजी नामक एक सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किया जाता है जो कि गर्भावस्था के दौरान किये जाने वाले अल्ट्रासाउंड के लिए एक एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स है। इसमें गर्भस्थ शिशु के क्रमशः शारीरिक विकास, उसमें होने वाली त्रुटियां और जेनेटिक/आनुवांशिक बीमारियों की जटिलता के संबंध में अध्ययन होता है।

यह कोर्स अलग अलग राज्यों में संचालित होता है। डॉ प्राची सिंघल पिछले दो बार से उत्तर प्रदेश सीसीएफआरजी में व्याख्यान देने एवं अध्यापक के रूप में भाग ले चुकी हैं। इस बार उन्हें आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित सीसीएफआरजी में अलग अलग व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था।

डॉ प्राची का कहना है कि इस प्रतिष्ठित कोर्स में अध्यापक के रूप में भाग लेना बहुत सम्मान और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा ऐसे अवसर न सिर्फ उन्हें अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि उनका ज्ञान भी परिष्कृत होता है। इस कोर्सेस में आए अन्य गणमान्य डॉक्टर्स के संपर्क से अल्ट्रासाउंड के क्षेत्र में हो रहे रिसर्च आदि का पता लग जाता है। इस कारणों से ऐसे आयोजनों में सम्मिलित होने का उत्साह बना रहता है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों पर होगी नियमानुसार कार्रवाई: अतुल गर्ग

गाजियाबाद। सोशल मीडिया पर अपने विरुद्ध प्रसारित किए जा रहे कथित भ्रामक एवं तथ्यों से परे दुष्प्रचार को लेकर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी। सांसद ने इसे संसद सदस्य की गरिमा एवं विशेषाधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए आवश्यक संरक्षण और कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पूरे प्रकरण को आगे की कार्रवाई के लिए संसद की विशेषाधिकार समिति को संदर्भित कर दिया। अब इस मामले की सुनवाई समिति के समक्ष होगी, जहां तथ्यों एवं परिस्थितियों की विस्तार से जांच की जाएगी। विशेषाधिकार समिति की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद रविशंकर प्रसाद कर रहे हैं। समिति सोशल मीडिया पर सांसद के विरुद्ध प्रसारित किए गए कथित भ्रामक एवं अपमानजनक प्रचार की पृष्ठभूमि, उसके स्रोत तथा जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की जांच करेगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित पक्षों को समिति के समक्ष तलब कर यह स्पष्ट करने को कहा जाएगा कि यह सामग्री किस आधार पर और किसके निर्देश पर प्रसारित की गई। समिति उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के परीक्षण के बाद संसद के नियमों और विशेषाधिकार संबंधी प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की अनुशंसा करेगी। माना जा रहा है कि यदि आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की गरिमा बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा मामले का गंभीरता से संज्ञान लेने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर उनका आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि विशेषाधिकार समिति निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर निर्णय लेकर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करेगी।

मोबाइल चोरों के मंसूबों पर नॉलेज पार्क पुलिस का प्रहार, 50 लाख के 100 मोबाइल संग तीन गिरफ्तार

कपिल चौहान

गौतमबुधनगर(वेलकम इंडिया)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सेक्टर-153 स्थित पानी की टंकी के पीछे से आनन्द उर्फ रुद्रेश, पंकज उर्फ धीरेन्द्र तथा मोहित पुंडीर को दबोच लिया।

पुलिस के कब्जे से लगभग 50 लाख रुपये कीमत के आईक्यूओ कंपनी के 100 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त फर्जी नंबर प्लेट लगी महिंद्रा पिकअप वाहन भी बरामद किया गया। पुलिस ने अभियुक्त आनन्द उर्फ रुद्रेश और मोहित पुंडीर के पास से एक-एक अवैध चाकू भी बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। थाना नॉलेज पार्क पुलिस की इस कार्रवाई को कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

डासना में 260 करोड़ की सरकारी जमीन पर प्रशासन का शिकंजा, 250 बीघा भूमि कराई कब्जामुक्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री के निर्देश पर भूमाफियाओं और अवैध कब्जाधारकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन ने ग्राम डासना में करीब 250 बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा प्राप्त कर बड़ी कार्रवाई की है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली इस भूमि की अनुमानित बाजार कीमत 260 करोड़ रुपये आंकी गई है।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के नेतृत्व में राजस्व विभाग, पुलिस बल एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया और विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए प्रशासनिक कब्जा हासिल किया। यह भूमि खसरा संख्या-33 में दर्ज है और वर्ष 1359 फसली से सरकारी संपत्ति के रूप में अभिलेखों में दर्ज बताई गई है। मामले में धारा-145 के तहत वाद न्यायालय में विचाराधीन है।

कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने भूमि पर सूचना पट्ट स्थापित कर स्पष्ट कर दिया कि यहां किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य, अवैध कब्जा अथवा खरीद-फरोख्त पूर्णतः प्रतिबंधित है। उपजिलाधिकारी सदर श्री अरुण दीक्षित ने पुलिस बल, स्थानीय नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधियों की मौजूदगी में मुनादी कराकर लोगों को सरकारी भूमि की स्थिति से अवगत कराया तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या लेन-देन को दंडनीय अपराध बताया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि जनपद में सरकारी भूमि की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भूमाफियाओं के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति के तहत अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि सरकारी भूमि से जुड़ी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

कविनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: सांसद की छवि धूमिल करने और रंगदारी मांगने वाला आरोपी सलाखों के पीछे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कविनगर पुलिस ने सांसद की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने और रंगदारी मांगने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 50 हजार रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 15 जून 2026 को कविनगर निवासी राजेन्द्र मित्तल ने थाना कविनगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि सोनू चौहान उर्फ अमीर हसन ने सांसद अतुल गर्ग के खिलाफ फेसबुक पर अपमानजनक एवं आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित की थी।

आरोप है कि आरोपी ने वादी से रंगदारी की मांग भी की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीमों ने स्थानीय सूचना, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 22 जून 2026 को आरोपी सोनू चौहान उर्फ अमीर हसन पुत्र मोहम्मद अली (30 वर्ष), निवासी श्याम नगर, थाना लिसाड़ीगेट, मेरठ को नेहरू नगर फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 50 हजार रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

इंस्टाग्राम से मंगवाए तमंचे, 5 करोड़ की फिरौती के लिए कारोबारी के अपहरण की साजिश नाकाम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लिंक रोड पुलिस ने एक कारोबारी के अपहरण कर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूलने की सनसनीखेज साजिश का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, दो अवैध तमंचे, तीन जिंदा कारतूस तथा अपहरण के लिए रखी गई रस्सी बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सत्यम सिंह (22), गौतम मिर्धा (25), नितिन तिवारी (26) और रोहित उर्फ हिटलर (29) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कारोबारी राजेश पांडेय के अपहरण की योजना बनाई थी और उन्हें बंधक बनाकर परिवार से 5 करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने की साजिश रची थी। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने इंस्टाग्राम के माध्यम से 25 हजार रुपये में अवैध तमंचे मंगवाए थे। इसके लिए सभी ने आपस में पांच-पांच हजार रुपये जुटाए थे। हथियारों की डिलीवरी नोएडा सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन के पास ली गई थी। वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने 5 और 6 जून को कारोबारी के घर और कार्यालय की रेकी भी की थी। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को आरोपी किराये की स्विफ्ट कार से कारोबारी की गाड़ी का पीछा करते हुए कम भीड़भाड़ वाले इलाके तक पहुंचे। वहां उन्होंने कारोबारी की कार के आगे अपनी गाड़ी लगाकर उन्हें जबरन बाहर निकालने और अपनी कार में बैठाने का प्रयास किया। कारोबारी द्वारा शोर मचाने पर आरोपी घबरा गए और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों का मकसद तमंचे के बल पर कारोबारी का अपहरण कर उन्हें बंधक बनाना और परिवार से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूलना था। घटना के खुलासे के बाद थाना लिंक रोड पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी सिटी/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनके आपराधिक इतिहास और अवैध हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह से जुड़े अन्य संपर्कों की भी जांच की जा रही है। पुलिस इंस्टाग्राम के जरिए हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है।

गाजियाबाद से दुनिया तक निटरा का परचम, मिल्कवीड फाइबर में रचा विश्व कीर्तिमान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वस्त्र अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले निटरा ने अपना 52वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। समारोह में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा, वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत की नामचीन हस्तियां तथा बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। निटरा के डिप्टी चेयरमैन संदीप होरा और महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की 52 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। संदीप होरा ने बताया कि वस्त्र उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार, उद्योग जगत और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से गाजियाबाद के राजनगर में लगभग 50 एकड़ भूमि पर निटरा की स्थापना की गई थी, जो आज वस्त्र अनुसंधान और तकनीकी विकास का एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

डॉ. एम.एस. परमार ने निटरा की उपलब्धियों पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि वस्त्र मंत्रालय ने संस्थान को हाल ही में न्यू एज फाइबर्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में नामित किया है। निटरा मिल्कवीड, फ्लैक्स और हेम्प जैसे पर्यावरण-अनुकूल रेशों पर अनुसंधान कर सतत वस्त्र उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने बताया कि निटरा का ट्रेडमार्क प्राप्त सतत फाइबर क्लोसेल हरित और टिकाऊ टेक्सटाइल समाधान विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्थापना दिवस के अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि निटरा मिल्कवीड फाइबर के लिए डएङड-ळए~र३ल्लर्१ि 100 डी१ड्रंइड्ढल्ल प्राप्त करने वाला विश्व का पहला संस्थान बन गया है। यह प्रमाणन जर्मनी के प्रतिष्ठित होहेनस्टीन संस्थान द्वारा प्रदान किया गया है, जो वस्त्र सुरक्षा और गुणवत्ता के क्षेत्र में विश्वसनीय मानक माना जाता है। संस्थान में भारत की पहली फायर मैनिकिन फ्लेम एंगल्फमेंट टेस्टिंग सुविधा सहित अनेक अत्याधुनिक एवं ठअइछ मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं संचालित हैं। निटरा राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत स्वदेशी परीक्षण उपकरण विकसित कर देश को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार प्रदान कर रहा है।

वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा कि निटरा की उपलब्धियां अत्यंत प्रेरणादायक हैं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इसकी भूमिका सराहनीय है। वहीं केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि निटरा ने देश के वस्त्र उद्योग, किसानों, मजदूरों और सैनिकों के हित में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने मिल्कवीड फाइबर को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन को देश के लिए गौरव का विषय बताते हुए निटरा परिवार को बधाई दी। समारोह के अंत में उपनिदेशक विवेक अग्रवाल ने सभी अतिथियों, उद्योग प्रतिनिधियों, पत्रकारों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समावेशी शिक्षा की ओर बड़ा कदम: गाजियाबाद के 20 विद्यालयों को मिली रेमेडियल किट

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता (एसएलडी) से प्रभावित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद गाजियाबाद के 20 चयनित विद्यालयों में संचालित मॉडल इन्क्लूसिव स्कूल कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला एवं रेमेडियल किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम पेट्रोनेट एलएनजी के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत चेंजइंक फाउंडेशन एवं समग्र शिक्षा अभियान, उत्तर प्रदेश के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ (आईएएस) ने की। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान तथा जिला समन्वयक (समावेशी शिक्षा) राकेश उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान चेंजइंक फाउंडेशन के राज्य प्रबंधक अशोक लीलड़ ने प्रधानाध्यापकों को समावेशी शिक्षा की अवधारणा, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता वाले बच्चों की पहचान, सहयोगात्मक शिक्षण पद्धतियों और समावेशी मूल्यांकन प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों की समय रहते पहचान कर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए तो उनकी शैक्षिक प्रगति को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया जा सकता है।

कार्यक्रम में जनपद के 20 चयनित विद्यालयों को रेमेडियल किट वितरित की गईं।

इनमें उपलब्ध शिक्षण-सहायक सामग्री बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी और रोचक बनाने के साथ-साथ उनके अधिगम स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में चेंजइंक फाउंडेशन की प्रिंसिपल लीड पूर्निथा नम्बियार, राज्य प्रतिनिधि अमरेश चन्द्र, राज्य प्रबंधक अशोक लीलड़ सहित चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता वाले बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण संसाधन और अनुकूल शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराकर समावेशी शिक्षा की अवधारणा को और अधिक सशक्त बनाना है।

रॉन्ग साइड ट्रक से बचने की कोशिश पड़ी भारी, नए बस अड्डे के पास पलटी रोडवेज बस

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नए बस अड्डे के पास रविवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ऋषिकेश डिपो की रोडवेज बस, जो उत्तराखंड से दिल्ली आईएसबीटी जा रही थी, फ्लाईओवर पर चढ़ने से पहले डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा रात करीब तीन बजे हुआ। बताया जा रहा है कि बस चालक ने कथित रूप से गलत दिशा से आ रहे एक ट्रक से बचने का प्रयास किया, जिसके चलते बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 25 यात्री सवार थे। बस पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में 5 से 6 यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें

प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। क्षतिग्रस्त बस को हटाने के दौरान सोमवार सुबह नए बस अड्डे के आसपास यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई और सभी यात्री सुरक्षित बच गए।

यूपीसीडा के विकास मॉडल पर सवाल सूखते पेड़, पसरी गंदगी और अंधेरा

बदहाल हुआ स्वामी विवेकानंद पार्क, यूपीसीडा के विकास दावों पर उठे सवाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयनगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क इन दिनों अव्यवस्थाओं, लापरवाही और प्रशासनिक उपेक्षा का प्रतीक बन गया है। क्षेत्र के विकास एवं रखरखाव की जिम्मेदारी निभाने वाले यूपीसीडा के दावों के विपरीत पार्क की जमीनी स्थिति बदहाली बयां कर रही है। पार्क में फैली गंदगी, सूखते पेड़, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें और मूलभूत सुविधाओं का अभाव स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बना हुआ है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर पहले से लगे पेड़ों की देखभाल नहीं हो रही। सिंचाई के अभाव में कई पेड़ सूखने लगे हैं तथा उनकी शाखाएं टूटकर गिर रही हैं, जिससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी हुई है। पार्क में सफाई व्यवस्था भी बदहाल है। जगह-जगह कूड़ा जमा होने से पार्क की सुंदरता प्रभावित हो रही है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सुबह-शाम टहलने आने वाले नागरिकों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पार्क परिसर में बिजली के खंभे तो लगाए गए हैं, लेकिन उन पर लाइटें नहीं लगाई गई हैं। वहीं आसपास की स्ट्रीट लाइटें भी लंबे समय से बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। इससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

सबसे गंभीर समस्या पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार पर बनी नाली है, जिस पर आज तक स्लैब नहीं डाला गया। पार्क में आने-जाने के लिए लोगों को नाली फांदकर गुजरना पड़ता है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद जोखिमपूर्ण बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का दावा है कि कई लोग संतुलन बिगड़ने के कारण गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं।

क्षेत्रवासियों ने यूपीसीडा, नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से पार्क की नियमित सफाई, पेड़ों की सिंचाई एवं देखभाल, सूखे पेड़ों को सुरक्षित करने, स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कराने तथा मुख्य द्वार पर नाली के ऊपर स्लैब लगाने की मांग की है।

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ और कोई दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच स्वामी विवेकानंद पार्क की यह स्थिति एक बड़ा सवाल खड़ा कर रही है कि आखिर यूपीसीडा द्वारा किए जा रहे विकास कार्य जमीनी स्तर पर कितने प्रभावी और टिकाऊ साबित हो रहे हैं।